हरिभूमि
रायपुर भूमि

तिमाही में ही गड़बड़ी...छठवीं के छात्रों से एक ही सवाल तीन बार पूछा, वार्षिक परीक्षा में जुड़ेंगे तिमाही के अंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेशभर में पहली से बारहवीं कक्षा तक तिमाही परीक्षाएं सोमवार से प्रारंभ हो गई। परीक्षा के पहले दिन ही बड़ी गलती सामने आई। कक्षा छठवीं के छात्रों की हिंदी की परीक्षा सोमवार को थी। इसमें छात्रों से एक प्रश्न पूछा गया-मेजर ध्यानचंद की सफलता का क्या रहस्य है? छात्रों से यह सवाल एक बार नहीं बल्कि तीन बार पूछा गया। लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय और अति दीर्घ उत्तरीय तीनों ही ▶▶|शेष पेज 11 पर

छठवीं कक्षा के छात्रों से पूछा-मेजर ध्यानचंद की सफलता का क्या रहस्य है?

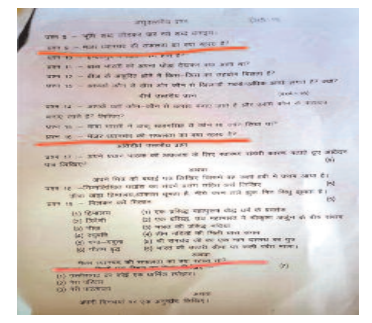

उत्तर का तरीका भिन्न

अलग-अलग सेक्शन में पूछे गए सवालों के उत्तर देने का तरीका भिन्न होता है। सवाल पृथक श्रेणियों में पूछे गए।
- सतीश नायर, जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

दूसरे जिलों में ब्लैकबोर्ड पर लिखे गए सवाल

चूंकि इसके अंक वार्षिक में जुड़ेंगे, इसलिए जिला स्तर पर तिमाही व छमाही के प्रश्नपत्र तैयार किए जा रहे हैं। राजधानी में छात्रों को प्रश्नपत्र छापकर बांटे गए, लेकिन अन्य जिलों में परीक्षा के दौरान शिक्षकों द्वारा ब्लैकबोर्ड पर चाक से प्रश्न लिखे गए, जिन्हें देखकर छात्रों ने अपनी स्वयं की कॉपियों में उत्तर लिखा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, यदि शिक्षा विभाग के पास फंड की कमी है, तो जिला स्तर से एकीकृत प्रश्नपत्र जारी करने का क्या औचित्य है? परीक्षा का उद्देश्य महज औपचारिकता पूरी करना नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रश्नपत्र छापकर देने की मांग की है।

पिछले माह छापा था अडानी का लोगो

ना केवल तिमाही-छमाही बल्कि मासिक टेस्ट के प्रश्नपत्र भी जिला स्तर पर छापे जा रहे हैं। बीते माह हुए मासिक टेस्ट में प्रश्नपत्र में अडानी का लोगो छप गया था। प्रश्नपत्र बांटे जाने से पहले ही यह गड़बड़ी शिक्षकों ने देख ली, इसलिए प्रश्नपत्र बांटे नहीं जा सके। प्रश्नपत्र रद्द कर बाद में पुनः इसका आयोजन किया गया। गौरतलब है कि राजधानी में मिशन उत्कर्ष संचालित है। इस मिशन का यह दूसरा वर्ष है। परीक्षा परिणाम सुधारने यह मिशन चलाया जा रहा है। विशेष मिशन चलाए जाने के बाद भी इस तरह की लापरवाहियों ने मिशन की गुणवत्ता पर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

खबर संक्षेप

कार चालक से मारपीट त्रिशूल की नोक पर लूट

रायपुर। दूधाधारी मंदिर के सामने एक कार चालक से मारपीट करते हुए त्रिशूल से डराकर मोबाइल लूट की घटना हुई है। मध्यप्रदेश सतना निवासी चंदन दाहिया के साथ 10 दिन पूर्व लूट की घटना हुई। पीड़ित ने टिकरापारा थाना में शिकायत दर्ज कराई कि उसके पूर्व परिचित लवकुश जोशी, अजीत जोशी और नीरज जोशी पूर्व में उससे गाड़ी चलवाते थे। तीनों ने चंदन से इस बात पर विवाद शुरू कर दिया कि वह अब उनकी गाड़ी क्यों नहीं चलाता? देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि तीनों ने मिलकर चंदन को घेर लिया, गाली-गलौज की और हाथ-मुक्कों से जमकर पीटा। इसके बाद बदमाशों ने उसे त्रिशूल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और उसकी जेब से मोबाइल लूटकर फरार हो गए।

पुलिस का खौफ दिखाकर जेल भेजने की धमकी

रायपुर। खुद को भुवनेश्वर पुलिस का कर्मचारी बताकर महिला को जेल भेजने की धमकी देने का मामला सामने आया है। देवपुरी निवासी महक होतवानी ने टिकरापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पास रविवार सुबह 9.30 बजे एक अंजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को भुवनेश्वर पुलिस बताते हुए महिला को उसके खिलाफ शिकायत मिलने की बात कही। शिकायत की जानकारी मांगने पर अज्ञात ने महिला के साथ गाली-गलौज करते हुए जेल भेजने की धमकी दी।

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी, गिरफ्तार

रायपुर। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने वाला असवंत निषाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी पूर्व में भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है। मठपुरैना निवासी प्रेम सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 1-2 मई को उसके सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर अंदर घुसा और आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी चोरी कर ले गया। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से मिले फूटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया।

बस की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र के भनपुरी में रविवार शाम तेज रफ्तार बस की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान साधना तिवारी के रूप में हुई है। वह मध्यप्रदेश के मऊगंज की रहने वाली थी। हादसे के समय वह अपने पति बिरेंद्र तिवारी के साथ सब्जी खरीदने भनपुरी बाजार जा रही थीं। पुलिस के अनुसार, साधना अपने पति के साथ न्यू गोंदवारा स्थित खुशबू इंडस्ट्रीज के लेबर क्वार्टर में रहती थीं। बिरेंद्र खुशबू इंडस्ट्रीज में सुपरवाइजर है। रविवार शाम करीब 7 बजे दोनों स्कूटी से भनपुरी बाजार जा रहे थे। स्कूटी बिरेंद्र चला रहा था और साधना पीछे बैठी थीं। भनपुरी स्थित दुर्गा मंदिर के पास पीछे से आ रही बस के चालक ने तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी।

50 राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में निकलेंगी झांकी

'गणनायक' को विदाई देने खाकी अलर्ट...पांच ड्रोन कैमरों की रहेगी नजर, डेढ़ हजार जवान होंगे तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी में दिव्य गणेश प्रतिमा विसर्जन झांकी रविवार को निकाले जाने की तैयारी है। विघ्नहर्ता के प्रतिमा विसर्जन में किसी भी तरह का विघ्न उत्पन्न न हो, इसकी तैयारी में पुलिस जुटी हुई है। अन्य वर्षों की तुलना में इस वर्ष डेढ़ गुना बल तैनात किए जाएंगे। साथ ही 50 राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। गणेशोत्सव में उपद्रव रोकने 10 दिन पूर्व से बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीनों जोन में 180 बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेजा है। गणेश प्रतिमा विसर्जन के झांकी रूट को छह सेक्टर में बांटा गया है। जिन मार्गों से झांकी ▶▶|शेष पेज 11 पर

■ सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

सुरक्षा इंतजाम पुख्ता

गणेश प्रतिमा विसर्जन तथा झांकी के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इस बार अन्य वर्षों की तुलना में ज्यादा बल की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बदमाशों के खिलाफ गणेश चतुर्थी के पूर्व से ही कार्रवाई की जा रही है।
- डॉ. संजीव शुक्ला, पुलिस कमिश्नर

चाकूबाजों पर नजर, सादी वर्दी में जवान मुस्तैद

बीते वर्षों में झांकी के दौरान और महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड के आसपास हुई चाकूबाजी की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। सादे लिबास में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जो संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखेंगे। मनचलों और असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की शरारत पर तुरंत कार्रवाई करने पुलिस कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं।

इन मार्गों से निकलेगी झांकी

गणेश प्रतिमा विसर्जन झांकी शारदा चौक से शुरू होगी, वहीं झांकियों को टोकन दिया जाएगा। झांकी जयस्तंभ चौक, कोतवाली चौक, सदरबाजार, कंकालीपारा और पुरानी बस्ती से होकर लाखेनगर होते हुए रायपुरा महादेवघाट तक जाएगी। श्रद्धालुओं से पैदल चलने की अपील की गई है। इसके लिए अलग-अलग क्षेत्रों में पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं, ताकि ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित न हो।

प्रतिमा विसर्जन के लिए सात क्रेन, दर्जनभर गोताखोर

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए सात क्रेन तथा एक दर्जन गोताखोरों की टीम की तैनाती की जाएगी। गोताखोर तथा क्रेन ऑपरेटर तीन पाली में ड्यूटी करेंगे। विसर्जन कुंड के पास किसी भी तरह की अनहोनी रोकने राजपत्रित पुलिस अधिकारी के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। प्रतिमा विसर्जन के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सीमित लोगों को कुंड के पास जाने की अनुमति मिलेगी।

पंडाल से लेकर झांकी तक जिम्मेदारी

इस वर्ष जो प्रमुख गणेश पंडाल हैं, उनमें अलग से पुलिस जवानों की पूरे समय के लिए ड्यूटी फिक्स की गई थी। उन पुलिसकर्मियों की ड्यूटी विसर्जन के दिन झांकी के साथ रहेगी। स्थायी ड्यूटी होने के कारण पुलिस को प्रमुख गणेश पंडालों की गतिविधियों की पल-पल की जानकारी मिल रही है।

ये क्षेत्र ज्यादा संवेदनशील

गणेश प्रतिमा विसर्जन झांकी में जो भीड़ चलती है, देखा गया है कि उस भीड़ में विवाद या मारपीट, चाकूबाजी की स्थिति निर्मित नहीं होती। विवाद की स्थिति जहां से झांकी गुजरती है, उस क्षेत्र की अंदरूनी गली में मारपीट तथा चाकूबाजी की घटना होती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए उक्त सराउंडिंग एरिया में सिविल ड्रेस में पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। साथ ही झांकी के दौरान हाथ में कड़े पहनकर आने वालों के कड़े उतरवाने पुलिस कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं।

महादेव कुंड में 25 से शुरू होगा प्रतिमा विसर्जन, पांच दिन चलेगा सिलसिला

राजधानी में श्रद्धा-भक्ति और उत्साह के साथ दस दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव में शहर के विभिन्न स्थानों पर विराजित गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला 25 सितंबर से शुरू होकर 30 सितंबर तक चलेगा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए पिछले बार की तरह इस बार भी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन खारुन नदी किनारे महादेवघाट में निर्मित विसर्जन कुंड में किया जाएगा। इसकी व्यवस्था और संचालन के लिए नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने तीन पाली में जोन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। निगम आयुक्त द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। नगर निगम के दस जोन के जोन अधिकारी-कर्मचारियों की गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाने निगम आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, महादेवघाट के विसर्जन कुंड स्थल पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की प्रशासनिक व्यवस्था पर नजर रखने विसर्जन कुंड के पास जोनवार अधिकारी व कर्मचारी अलग-अलग पालियों में व्यवस्था बनाए रखने उपस्थित रहेंगे। 25 सितंबर से 30 सितंबर तक विसर्जन व्यवस्था और संचालन के लिए सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक पहली पाली, दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक दूसरी पाली और रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक तीसरी पाली में जोन कमिश्नर प्रभारी अधिकारी, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता और उप अभियंता की ड्यूटी रहेगी।

■ निगम आयुक्त के निर्देश पर 10 जोन के अधिकारियों की शिफ्ट वाइज ड्यूटी

कस्टम मिलिंग घोटाला

खाद्य विभाग ने ईडी को सौंपा 300 पन्नों का पुलिंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्ववर्ती सरकार में 140 करोड़ रुपए के कस्टम मिलिंग घोटाले में खाद्य विभाग ने ईडी को साढ़े तीन सौ पन्नों की जानकारी सौंपी है। पूर्ववर्ती सरकार ने वर्ष 2021-22 में कस्टम मिलिंग की प्रोत्साहन राशि 40 से बढ़ाकर 120 रुपए प्रति क्विंटल की थी। प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की आड़ पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी मिलने पर इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी ईडी भी कर रही है।

खाद्य विभाग से मिली रिपोर्ट के आधार पर ईडी आने वाले दिनों में कस्टम मिलिंग घोटाले में शामिल अन्य लोगों पर शिकंजा कस सकती है। खाद्य विभाग से मिले दस्तावेजों के आधार पर ईडी अब यह पता लगाने में जुटी है कि प्रोत्साहन राशि तीन गुना करने का प्रस्ताव किस स्तर पर तैयार हुआ, किन परिस्थितियों में इसे मंजूरी मिली और इस प्रक्रिया में किन अधिकारियों व संबंधित संगठनों की भूमिका रही। सरकार ने ईडी को राशि बढ़ाने की प्रक्रिया से जुड़े मूल दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराई हैं।

■ खाद्य विभाग ने ईडी को सौंपी साढ़े तीन सौ पन्नों की जानकारी

नोटशीट जांच के दायरे में

सूत्रों के मुताबिक, ईडी को खाद्य विभाग ने प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होने से लेकर अंतिम अधिसूचना जारी होने तक की नोटशीट की प्रतियां सौंपी हैं। साथ ही छत्तीसगढ़ स्टेट राइस मिलर्स एसोसिएशन सहित अन्य संगठनों की ओर से सरकार को दिए गए आवेदन और पत्र भी उपलब्ध कराए गए हैं। राशि बढ़ाने को लेकर हुई बैठकों, अधिकारियों के बीच हुई चर्चाओं और संबंधित प्रस्तावों से जुड़े रिकार्ड भी जांच एजेंसी को दिए गए हैं, यानी ईडी अब सिर्फ राशि बढ़ाने के फैसले को ही नहीं, बल्कि फैसले तक पहुंचने वाली पूरी प्रशासनिक प्रक्रिया को खंगाल रही है।

प्रति क्विंटल 40 रुपए कमीशन के आरोप

कस्टम मिलिंग में प्रोत्साहन राशि 40 रुपए से बढ़ाकर 120 रुपए प्रति क्विंटल किए जाने के बाद बढ़ी हुई राशि में से 20-20 रुपए की दो किस्तों में 40 रुपए प्रति क्विंटल मिलर्स से वसूली करने के आरोप हैं। जांच एजेंसियों के सामने आरोप यह भी है कि मार्कफेड के अधिकारियों और राइस मिलर्स एसोसिएशन से जुड़े लोगों के माध्यम से मिलर्स के बिलों के भुगतान को वसूली से जोड़ा गया। इस मामले में करीब 140 करोड़ रुपए के घोटाले की जांच ईडी कर रही है। कस्टम मिलिंग घोटाले की जांड ईडी के साथ राज्य की जांच एजेंसी एसीबी, ईओडब्लू भी कर रही है। प्रकरण में कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी और राइस मिलर रोशन चंद्राकर समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया। बाद में अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया। जांच के दौरान कई राइस मिलर्स के बयान दर्ज किए गए हैं।

रावघाट-ताड़ोकी रेललाइन पर आज होगा स्पीड ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल अंतर्गत दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेललाइन परियोजना के ताड़ोकी-रावघाट सिंगल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉडगेज सेक्शन का 22 सितंबर को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी निरीक्षण करेंगे। इस दौरान नई रेललाइन पर स्पीड ट्रायल भी किया जाएगा। सीआरएस 22 सितंबर को सुबह 6.30 बजे दुर्ग से स्पेशल ट्रेन से रवाना होकर ताड़ोकी से रावघाट सेक्शन का निरीक्षण करेंगे। रेलवे ने दुर्ग से रावघाट तक और विशेष रूप से ताड़ोकी-रावघाट रेलखंड के आसपास रहने वाले लोगों से रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। रेलवे के अनुसार, रावघाट-ताड़ोकी के बीच नई रेललाइन पर ▶▶|शेष पेज 11 पर

■ मवेशियों को रेलवे ट्रैक से दूर रखने और ट्रैक के आसपास नहीं जाने की दी सलाह

तेज साउंड से परेशान लोगों द्वारा पोस्टर लगवाए जाने की संभावना

डीजे-धुमाल बजाया तो खैर नहीं... प्रतिबंध के पोस्टर से मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के प्रमुख चौक-चौराहों के साथ गली-मोहल्लों में गणेशोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है, सभी जगहों पर पंडाल आकर्षक ढंग से सजाए गए हैं। साथ ही गणेश पंडालों में डीजे के साथ धुमाल बजाए जा रहे हैं। रविवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन की झांकी निकलेगी। झांकी का रूट जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड के साथ सदरबाजार, सत्तीबाजार रहता है। प्रतिमा विसर्जन के दिन जो झांकी निकाली जाती है, उसमें डीजे के साथ धुमाल बजाया जाता है।

जिन मार्गों से गणेश प्रतिमा विसर्जन की झांकी निकलनी है, उनमें सत्ती बाजार के आसपास अज्ञात लोगों ने डीजे तथा धुमाल नहीं बजाने पोस्टर चस्पा किया है। चस्पा किए गए पोस्टर में चेतावनी दी गई है कि धुमाल, डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित ▶▶|शेष पेज 11 पर

■ पुलिस ने कहा- हमने कोई पोस्टर नहीं लगवाए

तेज आवाज से परेशान लोगों ने लगाया पोस्टर

संबंधित पोस्टर लगाए जाने को लेकर कोतवाली टीआई से संपर्क करने पर उनका कहना है कि पुलिस द्वारा इस तरह से कोई पोस्टर नहीं लगाया गया है। जिस दिन गणेश प्रतिमा विसर्जन के निकाली जाती है, उस दिन उस क्षेत्र के रहवासी शोर-शराबे से परेशान हो जाते हैं। इस कारण स्थानीय रहवासियों द्वारा पोस्टर चस्पा किए जाने की संभावना है। असामाजिक तत्वों द्वारा पोस्टर लगाकर माहौल खराब किए जाने की आशंका से पुलिस ने इंकार किया है।

तीन महीने पहले बनाई गई योजना, कई विमानतलों पर की जानी है शुरुआत

हवाई यात्रियों को किताबें उपलब्ध कराने वाली एयरपोर्ट की 'फ्लाईब्रेरी' अभी भी हवा में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

हवाई सफर के दौरान यात्रियों को पसंदीदा किताब उपलब्ध कराने वाली फ्लाईब्रेरी की योजना हरी झंडी के इंतजार में अटकी हुई है।रायपुर एयरपोर्ट पर इसका काम तो पूरा हो चुका है, मगर लोकार्पण नहीं होने की वजह से यात्रियों को इसकी सुविधा नहीं मिल पाई है।फ्लाईब्रेरी की योजना कुछ अन्य विमानतलों पर भी शुरू की जानी है, जहां काम अधूरा है। इस फ्लाईब्रेरी में हिंदी, अंग्रेजी सहित विभिन्न भाषाओं में ज्ञानवर्धक साहित्य एवं किताबों को संग्रहित किया जाना है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा देश में संचालित विमानतलों पर यात्री सुविधा के रूप में इसे विकसित किया जाना है। इसके तहत करीब तीन महीने पहले स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर योजना को पूर्ण किया गया था। टर्मिनल भवन के भीतर एक हिस्से में फ्लाईब्रेरी जोन ▶▶|शेष पेज 11 पर

सिक्सलेन का ड्रॉप ऑफ एरिया, नहीं होगी आपाधापी

रायपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ की वजह से ड्रॉप ऑफ एरिया में होने वाली आपाधापी की स्थिति अगले तीन महीने में समाप्त हो जाएगी। टर्मिनल भवन के सामने सिक्सलेन का ड्रॉप ऑफ एरिया बनाने का काम चल रहा है। शेड लगाने के बाद बारिश की वजह से प्रभावित शेष कार्य जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा, इसके बाद वहां वाहनों की लंबी कतार नहीं लगेगी।

फाइव स्टार होटल जैसा बनेगा वीआईपी लाउंज

एयरपोर्ट के वीआईपी वेटिंग रूम आवश्यकता के हिसाब से रेनोवेशन का काम जल्द ही शुरू किए जाने की उम्मीद है। इसके लिए टेंडर हो चुके हैं और काम दो से तीन माह में पूरा होने की उम्मीद है। वीआईपी वेटिंग रूम इसके बाद किसी फाइव स्टार होटल के लाउंज की तरह नजर आएगा। कुछ निजी औद्योगिक कंपनियों के साथ एयरपोर्ट के भीतर आवश्यक रेनोवेशन कार्य भी पूरा किया जा रहा है।

त्योहारी सीजन में मंदी की चपेट में बाजार, कई सेक्टरों में आधा हो गया कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लगातार बढ़ती महंगाई के कारण कई सेक्टरों के बाजार त्योहारी सीजन में भी मंदी की चपेट में हैं। जहां एक तरफ राजधानी के सबसे बड़े डूमरतराई मार्केट में कारोबार आधा हो गया है, वहीं सराफा, मोबाइल, कंप्यूटर सेक्टर सहित कई सेक्टरों का कारोबार 40 से 60 फीसदी तक प्रभावित हो गया है।

हरिभूमि सरोकार

आने वाले समय में इस माह पितृपक्ष प्रारंभ हो रहा है। इसमें कारोबार और ज्यादा प्रभावित होने की संभावना है। पितृपक्ष के बाद ही नवरात्रि में कारोबार के पटरी पर लौटने की संभावना है, लेकिन पूरा कारोबार पटरी पर कब लौटेगा, इसको लेकर कारोबारी चिंतित हैं। राजधानी रायपुर का डूमरतराई बाजार प्रदेश का सबसे बड़ा बाजार है। वहां पर जहां प्रदेश के ज्यादातर शहरों के थोक और चिल्हर कारोबारी खरीदारी करने आते हैं, वहीं पड़ोसी राज्यों ओडिशा, झारखंड और आंध्रप्रदेश के भी कारोबार खरीदारी करते हैं। यहां पर रोज करीब 12 करोड़ का कारोबार होता है। यहां पर रोज बाहर के राज्यों से जहां करीब 50 बड़े ट्रकों में माल आता है, वहीं 30 मेटाडोर में भी अपने राज्य के अलग-अलग शहरों से अनाज सहित अन्य माल आता है। कारोबारियों के मुताबिक अब रोज छोटे-बड़े मिलाकर मुश्किल से 40 वाहनों में ही माल की आवक हो रही है। डिमांड कम होने के कारण कारोबारी कम ही माल मंगा रहे हैं। इस समय कारोबार करीब 50 फीसदी प्रभावित है। कारोबारियों के मुताबिक, राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश के छोटे कारोबारी भी अब पहले की तरह ज्यादा माल नहीं ले रहे हैं। कारोबारी अपनी डिमांड के मुताबिक कम माल उठा रहे हैं।

पितृपक्ष में और पड़ेगी मार, नवरात्रि से ही पटरी पर लौटेगा बाजार

मोबाइल, कंप्यूटर का कारोबार भी प्रभावित

मोबाइल सेक्टर में हमेशा ही 5जी स्मार्ट फोन की डिमांड ज्यादा रहती है लेकिन 5जी की कीमत अब 75 फीसदी तक बढ़ गई है। ऐसा होने से कारोबार 60 फीसदी से ज्यादा प्रभावित हो गया है। राजधानी रायपुर के कारोबारियों के मुताबिक अब कोई भी 5जी मोबाइल 20 हजार से कम का नहीं आ रहा है। ऐसे में ग्राहक अपने बजट के हिसाब से 10 से 15 हजार में या तो 4जी मोबाइल ले रहे हैं, या फिर पुराने मोबाइल खरीद रहे हैं। पुराने मोबाइल की ज्यादा डिमांड के कारण इसकी भी कमी हो गई है। मोबाइल के दाम में आग लगने का सबसे बड़ा कारण चिप की कमी है। कारोबारियों का कहना है कि मोबाइल में लगने वाले चिप के दाम अब करीब ढाई गुना हो गए हैं। इधर कंप्यूटर और लैपटॉप के दाम भी बहुत बढ़ने के कारण जहां इसका कारोबार प्रभावित हो गया है, वहीं असेम्बल करके कंप्यूटर बेचने का कारोबार तो 80 फीसदी प्रभावित हो गया है। इसके पार्ट्स के दाम कई गुना बढ़ गए हैं।

सराफा कारोबार भी आधा चौपट

सोने-चांदी के लगातार घटते दाम के कारण प्रदेश का सराफा कारोबार 50 फीसदी से ज्यादा प्रभावित हो गया है। प्रदेश में रोज सोने और चांदी का करीब 50 करोड़ का कारोबार होता है, इसमें से करीब 30 करोड़ का कारोबार निवेश से ही होता है, लेकिन अब निवेशकों ने हाथ खड़े कर दिए हैं तो रोज करीब 20 करोड़ का कारोबार प्रभावित हो गया है। साथ ही आम खरीदारी भी बहुत कम होने के कारण सराफा कारोबारियों की हालत खराब हो गई है। आम खरीदारी भी 50 फीसदी कम हो गई है। कुल मिलाकर रोज का कारोबार 20 से 25 करोड़ का ही हो रहा है। पितृपक्ष में कारोबार के 80 फीसदी से भी ज्यादा प्रभावित होने की संभावना है।

हर सेक्टर में मंदी

बाजार के हर सेक्टर में मंदी का दौर चल रहा है। किसी भी सेक्टर में सिर्फ और सिर्फ जरूरत के हिसाब से ही खरीदारी हो रही है। आम आदमी अब घरों में राशन भी ज्यादा दिनों का नहीं रख रहा है।

\- **राम मंधान**, कार्यकारी अध्यक्ष, कैट छत्तीसगढ़

खबर संक्षेप

उत्तर-मध्य में हल्की और बस्तर में रहेगा बारिश का ज्यादा असर

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में गहरे अवदाब के रूप में आने वाले सिस्टम के ओडिशा तट पर पहुंचते ही मौसम में बदलाव नजर आने लगेगा। इसके प्रभाव से बुधवार और गुरुवार को बस्तर में भारी से अतिभारी बारिश होगी, वहीं मध्य से उत्तर के बीच हल्की बारिश और बादलों का प्रभाव रहेगा। अभी धूप-छांव के प्रभाव के बीच उमस वाली स्थिति बनी हुई है। मानसून देश से विदा होने लगा है और राजस्थान, पंजाब जैसे राज्यों से विदा होना शुरू हो गया है। राज्य में अभी वर्षा का एक-दो दौर शेष है और इसका प्रभाव बुध-गुरुवार से होने की उम्मीद बन रही है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम कल तक गहरे अवदाब के रूप में परिवर्तित हो जाएगा। इसके बाद वह ओडिशा तट की ओर आगे बढ़ेगा। संभवतः बुध एवं गुरुवार को इसका प्रभाव राज्य में नजर आएगा और वर्षा की गतिविधि बढ़ेगी। सिस्टम दक्षिण की ओर आगे बढ़ रहा है, जिसकी वजह से इसका ज्यादा असर बस्तर में बारिश के रूप में होने की संभावना है।

मेगा हेल्थ कैंप 24 को विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे निशुल्क परामर्श

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की युवा इकाई द्वारा स्वास्थ्य भी व्यापार भी अभियान अंतर्गत 24 सितंबर को मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक कैट के पंडरी स्थित प्रदेश कार्यालय में किया जा रहा है। कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श और आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कैट युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष कांति पटेल, प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह, कोषाध्यक्ष भरतभूषण गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अमर पारवानी उपस्थित रहेंगे। मेगा हेल्थ कैंप शिविर में डॉ. विकास गोयल, डिमेटोलॉजी और ब्लड कैंसर विशेषज्ञ, डॉ. विकास लखमनिया हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. मुनमुन अग्रवाल स्त्रीरोग विशेषज्ञ और मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. मानसिंह मिरे निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श और स्वास्थ्य जांच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

अध्यक्ष पद पर सत्येंद्र चेलक और शैलेंद्र बंजारे के पक्ष में जुट रहे युवा

22 दिन में यूथ कांग्रेस के सवा 10 लाख सदस्य, अध्यक्ष के लिए कांटे की टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में युवा कांग्रेस चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। 30 अगस्त से ऑनलाइन सदस्यता अभियान के 22वें दिन सवा 10 लाख से अधिक सदस्य बन गए हैं। अब तक 80 प्रतिशत से अधिक सदस्यों ने अपना सदस्यता शुल्क भी जमा कर दिया है।

पूरे प्रदेश में जिस तरह से चुनाव हो रहा है, उससे अध्यक्ष पद के दो प्रमुख दावेदार सत्येंद्र चेलक और शैलेंद्र बंजारे के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। सत्येंद्र चेलक को पूर्व सीएम भूपेश बघेल का समर्थन है, वहीं शैलेंद्र बंजारे के पक्ष में माहौल बनाने विधायक देवेंद्र यादव कई जिलों का दौरा कर चुके हैं। मतदान के लिए अब 9 दिन शेष हैं।

हरिभूमि फॉलोअप

युवा कांग्रेस चुनाव में प्रदेश, जिला और विधानसभा स्तर पर पदों के लिए मुकाबला है। चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव और जिला अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए कई युवा नेता मैदान में हैं। अब तक 10 लाख 28 हजार 575 वोट पड़ने के बाद सभी दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी और उनके समर्थक एक-एक वोट के लिए दिन-रात पसीना बहा रहे हैं। युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए 17 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इतने बड़े पैमाने पर युवाओं की भागीदारी को आगामी मुख्य चुनावों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। युवाओं का यह भारी रुझान आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चुनाव के अंतिम नतीजे और स्क्रूटनी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अक्टूबर माह के दूसरे सप्ताह में छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस को उसकी नई कार्यकारिणी और नया अध्यक्ष मिल जाएगा।

2 लाख से अधिक ने जमा नहीं किया सदस्यता शुल्क

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार, यह पूरा चुनाव ऑनलाइन और डिजिटल एप के माध्यम से कराया जा रहा है। सदस्यता अभियान और मतदान की प्रक्रिया साथ-साथ चल रही है। प्रत्येक मतदाता सबसे पहले निर्धारित सदस्यता शुल्क देकर रजिस्ट्रेशन के बाद अपने पसंदीदा प्रत्याशी के पक्ष में वोट डाल सकता है। मतदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्राप्त वोटों के आधार पर संगठन के नए पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। अब तक 8 लाख 12 हजार 499 सदस्यों ने सदस्यता शुल्क जमा कर दिया है। अभी भी 2 लाख 16 हजार 67 ने सदस्यता शुल्क जमा नहीं किया है।

हर दिन 35 से 40 हजार सदस्य

प्रदेश के विभिन्न जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों के चुनाव के लिए सदस्य मतदान कर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया को लेकर पिछले दिनों कई जिलों में सदस्यता और मतदान से संबंधित शिकायतें भी सामने आई थीं। कुछ उम्मीदवारों के नामांकन और सदस्यता प्रक्रिया को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं, जिसके बाद संबंधित मामलों की जांच और स्पष्टीकरण मांगे गए थे। उसके बाद से मतदान की गति धीमी होने के साथ ही फर्जी मतदान पर रोक लगी है। पिछले सप्ताह मतदान में कमी के बाद अब इसमें फिर से तेजी आई है।

कैंटीन में फिर ताला

भूखे भटक रहे छात्रों का फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के कैंटीन में एक बार फिर ताला लटक गया है। कैंटीन बीते दो माह से बंद है। इसे पुनः प्रारंभ करने सोमवार को छात्र अर्जी लेकर विवि प्रशासन के पास पहुंचे, जहां उन्हें अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से कैंटीन प्रारंभ करने का आश्वासन देकर लौटाया गया। गौरतलब है कि रविवि में पहली बार कोरोना काल में कैंटीन में ताला लगा था।

उस दौरान इंडियन कॉफी हाऊस रविवि कैंपस में कैंटीन का संचालन करता था। वर्षों तक कैंटीन बंद रहने के बाद बीते वर्ष नैक टीम के दौरे के दौरान कैंटीन दोबारा प्रारंभ की गई। लेकिन शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत में फिर से इसमें ताला लग गया।छात्रों का कहना है कि कैंटीन नहीं होने के कारण उन्हें किसी भी तरह की खाद्य सामग्री अथवा पेय पदार्थ के लिए कैंपस से बाहर जाना पड़ता है। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बार उन्हें भूखे ही कई घंटों तक कक्षाओं में शामिल होना पड़ता है।

छत की मरम्मत भी नहीं

विद्यार्थियों ने भोजन के अतिरिक्त अन्य मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं को लेकर भी अपनी मांगें रखी। विधि विभाग सहित अन्य विभागों में वॉटर कूलर, पंखे एवं विद्यार्थियों के बैठने के लिए बेंच की पर्याप्त व्यवस्था करने की मांग की गई। परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं भवनों में आवश्यक दीवार एवं छत की मरम्मत, पेंटिंग तथा अन्य आवश्यक रखरखाव कार्य कराए जाने की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी गई। छात्रों ने कहा, इन सुविधाओं के अभाव में विद्यार्थियों को दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान असुविधा का सामना करना पड़ता है। एबीवीपी के नेतृत्व में छात्रों ने यह विरोध दर्ज कराया। इस दौरान भूषण शर्मा, शिवम सिंह, देव बर्मन सहित अन्य कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरिभूमि की खबर पर सीएम का ट्वीट

श्रम बाजार रिपोर्ट में रायपुर और सरगुजा देशभर में आगे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि द्वारा 21 सितंबर को प्रमुखता से प्रकाशित एक खबर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्वीट के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की पहली जिला स्तरीय श्रम बाजार रिपोर्ट में रायपुर और सरगुजा का देश के अग्रणी जिलों में स्थान बनाना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।

महिला श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में सरगुजा ने देशभर में चौथा स्थान हासिल किया है, वहीं रायपुर देश की राजधानियों में एलएफपीआर और डब्ल्यूपीआर, दोनों में तीसरे स्थान पर है। यह उपलब्धि बताती है कि छत्तीसगढ़ की बहनें अब आर्थिक प्रगति में अपनी भागीदारी को और सशक्त कर रही हैं। हमारी सरकार की कोशिश है कि प्रदेश की हर बहन को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलें, वह अपने हुनर और सामर्थ्य के बल पर आत्मनिर्भर बने और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में बराबर की भागीदार बने।

टाटा के बिजली वितरण लायसेंस की मांग के खिलाफ कांग्रेस की आयोग में याचिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने जिले के रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद और अभनपुर में टाटा पॉवर कंपनी द्वारा बिजली वितरण लाइसेंस की मांग के विरोध में बिजली नियामक आयोग में याचिका लगाई है। टाटा कंपनी को लायसेंस न देने की मांग रखी गई है। श्री उपाध्याय ने कहा, हाल ही में टाटा पॉवर कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका (पिटीशन नं. 89 ऑफ 2026) लगाकर रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद और अभनपुर तहसील क्षेत्र में 25 वर्षों के लिए समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस (पैरालेल डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंस) मांगा गया है। मैं इस जनविरोधी, गरीब-विरोधी और छत्तीसगढ़-विरोधी प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करता हूं। श्री उपाध्याय ने कहा, निजी कंपनी के प्रवेश से भविष्य में बिजली दरें बेतहाशा बढ़ेंगी। जब सरकारी कंपनी कमजोर हो जाएगी तो टाटा पॉवर जैसी निजी कंपनियां अपना एकाधिकार स्थापित करेंगी और बिलिंग चार्ज व अन्य उपकरों के बहाने प्रति यूनिट दर में अप्रत्याशित वृद्धि कर जनता का शोषण करेंगी। श्री उपाध्याय ने कहा, रायपुर, धरसींवा और अभनपुर राज्य के प्रमुख औद्योगिक केंद्र हैं, जहां स्थानीय स्पंज आयरन रोलिंग मिल और लघु-मध्यम उद्योग संचालित होते हैं। महंगे बिजली टैरिफ और अनियोजित नीतियों के कारण स्थानीय लघु, मध्यम और भारी उद्योग पहले ही मंदी से जूझ रहे हैं। यदि निजी कंपनी को प्रवेश दिया गया तो औद्योगिक बिजली दरों में अप्रत्याशित वृद्धि होगी, जिससे हमारे स्थानीय उद्योग पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे और लाखों स्थानीय युवाओं का रोजगार छिन जाएगा।

- पूर्व विधायक उपाध्याय ने किया लायसेंस देने का विरोध

प्रदेश स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था, बैज ने दी चुनौती स्वास्थ्य मंत्री ने की स्वीकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में बयानबाजी और राजनीतिक चुनौतियों का दौर लगातार जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम विजय शर्मा के बीच डिबेट की चर्चा के बाद अब प्रदेश में एक नया सियासी संग्राम छिड़ गया है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आमने-सामने हो गए हैं। श्री बैज ने स्वास्थ्य मंत्री को खुली चुनौती देते हुए प्रदेश के अस्पतालों की जमीनी हकीकत का जायजा लेने की बात कही है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी पलटवार करते हुए इसे स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, दीपक बैज उनके पुराने मित्र हैं और वे उनका सम्मान करते हैं। अस्पताल का चयन भी बैज अपनी पसंद से कर सकते हैं। उन्होंने कहा, बस्तर क्षेत्र या रायपुर का कोई भी अस्पताल चुन लिया जाए, वे वहां साथ चलने के लिए तैयार हैं। वे स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक मित्र के रूप में भी उनके साथ जाएंगे। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और अस्पतालों की लचर व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को चुनौती देते हुए कहा है कि वे सिर्फ कागजी दावों और बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर आकर अस्पतालों की स्थिति देखें।

डीके हास्पिटल में हुआ सर्वाधिक उपचार, निजी अस्पतालों को मिली गंभीरता की नसीहत

रोड एक्सीडेंट के घायलों को आयुष्मान से पहले मिले पीएम राहत का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सड़क हादसे में घायल होने वाले मरीजों को इलाज के दौरान आयुष्मान योजना से पहले पीएम राहत योजना का लाभ दिया जाए। इस टास्क में रायपुर जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। यहां अब तक 200 मरीजों का इस योजना के तहत निशुल्क इलाज हुआ है, जिसमें डीके हास्पिटल की भूमिका उल्लेखनीय रही है। योजना को पूर्ण सफल बनाने के लिए निजी हास्पिटलों को गंभीरता की नसीहत भी दी गई है। इस योजना में मरीजों को सात दिन अथवा डेढ़ लाख रुपए तक के निशुल्क इलाज की सुविधा दी जाती है।

पीएम राहत योजना के छत्तीसगढ़ में लागू होने के बाद रायपुर जिले में 30 अप्रैल को प्रथम मरीज का इलाज इस योजना के माध्यम से किया गया था। तीन महीने में इस योजना के माध्यम से 200 मरीजों को निशुल्क उपचार की सुविधा मिल चुकी है। इनमें सर्वाधिक मरीजों को डीके हास्पिटल के डाक्टरों ने स्वस्थ किया है। हालांकि योजना में 26 निजी हास्पिटलों की भागीदारी रही है, यह परफार्मेंस संतोषजनक नहीं है। प्रायवेट हास्पिटलों को जोर दिया गया है कि ऐसे मरीजों का इलाज नकद, आयुष्मान के पहले पीएम राहत योजना से किया जाए। रायपुर जिले के अलावा बिलासपुर, दुर्ग, धमतरी समेत कुछ अन्य जिलों में भी सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को इसका लाभ मिला है।

- 200 का इलाज कराकर रायपुर अव्वल
- मरीजों को सात दिन अथवा डेढ़ लाख रुपए तक निशुल्क इलाज की मिलती है सुविधा

राजधानी में हुई बड़ी कार्यशाला

सोमवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य, पुलिस और आयुष्मान भारत के समन्वय से पीएम राहत सहित अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने इस योजना को लाभ ज्यादा हर जरूरतमंद मरीजों को मिले, इसके लिए सिस्टम बनाने पर जोर दिया। सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने डीकेएस अस्पताल का उदाहरण देते हुए अन्य अस्पतालों को भी अपने जिले के साथ दूसरे जिलों के प्रकरणों में अप्रूवल के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर एवं जिला नोडल अधिकारी ट्रॉमा डॉ. सार्थक नंदा ने योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला प्रशासन स्वास्थ्य विभाग, पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी मौजूद थे।

ब्लॉक अध्यक्षों ने राजनीतिक दिशा एवं रणनीति के गुर सीखे

पीसीसी अध्यक्ष बैज, ताम्रध्वज, धनेंद्र समेत कई नेताओं ने किया ट्रेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

संभाग स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन ब्लॉक अध्यक्षों को सत्ता एवं संगठन का समन्वय, राजनीतिक दिशा एवं रणनीति के विषय में जानकारी दी गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संगठन का महत्व, निर्माण एवं दायित्व विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने ब्लॉक अध्यक्षों को अपने कार्यों के प्रति सजग रहने के साथ ही आम लोगों के बीच पार्टी की छवि बनाने के गुर भी सिखाए।

रायपुर संभाग के 74 ब्लॉक अध्यक्षों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण का मंगलवार को अंतिम दिन है। अंतिम दिन संगठन के पदाधिकारी संगठन के मजबूती के संबंध में जानकारी देंगे। दूसरे दिन पूर्व मंत्री, सीडब्ल्यूसी सदस्य ताम्रध्वज साहू ने सत्ता एवं संगठन का समन्वय, राजनीतिक दिशा एवं रणनीति पर मार्गदर्शन दिया। वहीं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने कृषि एवं सिंचाई योजना में कांग्रेस के योगदान की जानकारी दी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश वितारी ने सर्वोदय विकास, संविधान का प्रारूप पर विचार व्यक्त किया। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने आरएसएस का मिथक तथा मीडिया मैनेजमेंट पर व्याख्यान दिया। मणि वैष्णव ने सोशल मीडिया तथा महामंत्री दीपक मिश्रा ने राज्य कनेक्ट सेंटर के कार्य पर व्याख्यान दिया।

खबर संक्षेप

सेरीखेरी में 28 बालिकाओं को मिलीं निःशुल्क साइकिलें

मंदिर हसौद। राजधानी रायपुर के समीप स्थित ग्राम पंचायत सेरीखेरी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में साइकिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच कुमारी ढीढी, जनपद सदस्य कल्याणी बघेल, सरपंच प्रतिनिधि रामरतन ढीढी, शाला विकास समिति अध्यक्ष सुनील शर्मा, प्राचार्य हरीश वरु द्वारा सरस्वती माता की छाया चित्र और साइकिल का पूजा अर्चना कर 28 बालिकाओं को निशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण किया गया। वही मुख्य अतिथि ने छात्रों को साइकिल की देख रख और सड़क रोड़ पर सफर करते समय यातायात के नियमों का पालन करने सलाह दिया साथ ही लगन के साथ पढ़ाई लिखाई कर अपना संस्था परिवार और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में व्यख्याता अनिता साहू, सायकल प्रभारी पूनम दास कुर्रे, कल्याणी सिंह राजपूत, लोकेश्वर साहू, दुर्गेशलता साहू, माणिक घृतलहरे समस्त स्टॉफ एवं पंच और ग्रामवासी सम्मिलित हुए।

तुलसी स्कूल में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

आरंग। शासकीय हाई स्कूल तुलसी में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत आरंग के सभापति लुकेश साहू एवं सरपंच गिरधर साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर शाला विकास समिति अध्यक्ष चोवा राम साहू, प्राचार्य भरत लाल दीवान, ग्राम सभा अध्यक्ष बलराम साहू, विष्णु प्रसाद साहू, प्रीतम सेन, महेंद्र साहू, आनंद वैष्णव, वनरक्षक पंकज वर्मा, दौलत राम साहू, डिगम्बर साहू एवं सावन कुमार साहू सहित शिक्षकगण प्रकाश सोनी, मेनका नारंग, दीपा सौंधिया एवं भोला राम निषाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

लोक स्वराग रिकार्डिंग डांस कार्यक्रम आज

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम सड्डू स्थित महामाया पारा में 22 सितंबर को रात्रि 9 बजे से छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोकगीतों पर आधारित 'लोक स्वराग' रिकॉर्डिंग डांस (जेवरा-सिरसा, भिलाई, दुर्ग) का विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर जिला पंचायत सभापति शैल महेंद्र साहू होंगे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, ग्राम सरपंच नंद कुमार साहू एवं उप सरपंच टाकेश्वर निर्मलकर सहित अन्य गणमान्य नागरिक होंगे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पौधारोपण ड्राइंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

खरोरा। स्वामी आत्मानंद विद्यालय अमेरी में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शाला प्रांगण में 'आशीर्वाद का दीप' प्रज्वलित कर सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया गया। विद्यालय की प्राचार्य सावित्री वर्मा के मार्गदर्शन में शिक्षक सुषमा वर्मा, योगेश्वरी वर्मा, आशा किरण धीवर, जानकी साहू सहित समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। अभियान के अंतर्गत ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा एवं विचारों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

सीएटीसी शिविर में दिल्ली परेड में चयन के लिए प्रशिक्षण जारी

शिविर में 621 एनसीसी कैडेट्स है प्रतिभागी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

- कर्नल वेलमुरुगन ने किया शिविर का शुभारंभ

27 छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी रायपुर के कमान अधिकारी व कैम्प कमांडेंट कर्नल एस. वेलमुरुगन तथा डिप्टी कैम्प कमांडेंट कर्नल सौरभ महतो, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय रायपुर के डिप्टी कमांडर कर्नल एस. रमेश और प्री आरडीसी प्रभारी 5 छ.ग. बटा. के कमान अधिकारी ले. कर्नल टी. शराट के निर्देशन में सीएटीसी-139 शिविर 20 से 29 सितंबर तक लखौली, आरंग में आयोजित है।

शिविर में सीनियर डिवीजन, सीनियर विंग, जूनियर डिवीजन, जूनियर विंग का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण, प्री आरडीसी परेड नई दिल्ली एवं बेस्ट कैडेट चयन हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। द्वितीय दिवस पीटी परेड के बाद कैम्प कमांडेंट के ओपनिंग एड्रेस में कैडेट्स को कैंप के सुचारू संचालन हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिविर में अच्छा प्रशिक्षण और अच्छा अनुशासन/" थीम पर प्रशिक्षण होगा। हेल्थ-हाइजीन और जल संरक्षण पर विशेष जोर दिया। इसके बाद हेड काउंट व फोटो सेशन, ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, नेशनल इंटीग्रेशन, डिजास्टर मैनेजमेंट, फील्ड क्राफ्ट-बैटल क्राफ्ट पर कक्षाएं हुईं। गेम परेड में खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी का अभ्यास कराया गया। शिविर में 621 कैडेट भाग ले रहे हैं।

उपस्थित रहे

इस अवसर पर कैम्प एडजुटेंट कैप्टन दुष्यंत ध्रुवा, ले. डॉ. विकास बंजारे, ले. चेतन नायक, सेकंड ऑफिसर पी.एल. वर्मा, एस. रमजानी, तोष राम ध्रुव, तरुण पोटान, पृथ्वीराज कुमार, सूबेदार मेजर धर्मपाल सिंह, सूबेदार जगतार सिंह, बट्टू सिंह, नायब सूबेदार महेश कुमार, मुकेश सिंह, विकास तमांग, बीएचएम परविन्दर, मुख्य लिपिक संतोष ओटवानी, अकाउंटेंट पालेश्वर वर्मा, भंडार लिपिक शैलेंद्र शुक्ला आदि सहित 14 एएनओ उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट शिक्षकों और समाजसेवियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

छग कलार समाज के शिक्षक और विद्यार्थी समाजिक शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी/कूंरा

छत्तीसगढ़ कलार समाज (शिक्षा प्रकोष्ठ) के तत्वावधान में सत्य साईं ऑडिटोरियम, नया रायपुर में आयोजित "सामाजिक शिक्षा रत्न सम्मान समारोह-2026" गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में समाज की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए शिक्षा, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों के कार्यों की सराहना की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महासमुंद लोकसभा सांसद एवं भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी रहीं। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ कलार समाज के प्रदेश अध्यक्ष युवराज सिन्हा ने की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त राकेश पाण्डेय, भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा ओबीसी मोर्चा, छत्तीसगढ़ के प्रदेश महामंत्री अशोक सिन्हा ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत और पूंजी है। प्रतिभाओं का सम्मान केवल पुरस्कार देने तक सीमित नहीं होता, बल्कि इससे नई पीढ़ी में आत्मविश्वास पैदा होता है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं समाज की प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के चेहरे पर उत्साह और गर्व दिखाई दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं समाजजनों ने भी प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया।समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल बना दिया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ कलार समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

श्री विघ्नहर्ता परिवार ने किया रक्तदान और बांटी खुशियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सेवा, समर्पण और संवेदना को अपने संकल्प का हिस्सा बनाते हुए श्री विघ्नहर्ता परिवार, आरंग के सदस्यों ने सत्य साई अस्पताल पहुंचकर हृदय रोग का उपचार करा रहे बच्चों के लिए सामूहिक रक्तदान किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने अस्पताल में उपचाररत नन्हे बच्चों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके परिजनों से बातचीत कर उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। रक्तदान के इस सेवा कार्य के दौरान वातावरण उस समय भावुक हो उठा, जब समिति के सदस्य उपचार करा रहे बच्चों के बीच पहुंचे।

नन्हे मरीजों से आत्मीयता से बातचीत करते हुए सदस्यों ने उनका हौसला बढ़ाया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने का यह छोटा-सा प्रयास उनके परिवारों के लिए भी भावनात्मक संबल बना। समिति के सदस्यों ने कहा कि "रक्तदान केवल रक्त देने का कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन में उम्मीद की एक बूंद जोड़ने का संकल्प है। इन नन्हे बच्चों की जिंदगी में खुशियां लौटाने के प्रयास में अपना योगदान देना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।" श्री विघ्नहर्ता परिवार द्वारा 10 दिवस–10 सेवा कार्य अभियान के अंतर्गत सेवा की विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े इस पुनीत कार्य के माध्यम से समिति ने समाज को रक्तदान के प्रति जागरूक करने और जरूरतमंद मरीजों के साथ खड़े होने का संदेश दिया।

उपभोक्ता शुल्क की निंदा, कांग्रेस ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

- यूपीआई शुल्क का कांग्रेस ने किया विरोध

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने की संभावित योजना का कांग्रेस ने विरोध किया है। जनपद पंचायत पूर्व अध्यक्ष खिलेश देवांगन ने केंद्र सरकार से इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने और किसी भी तरह का उपभोक्ता शुल्क नहीं लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने देश में डिजिटल और कैशलेस भुगतान को बढ़ावा दिया, जिसके बाद यूपीआई आज करोड़ों लोगों के लिए रोजमर्रा के लेनदेन का प्रमुख माध्यम बन चुका है। छोटे दुकानदारों से लेकर किसान, मजदूर, कर्मचारी, विद्यार्थी और मध्यम वर्ग के लोग किराना, दवा, यात्रा सहित छोटी-बड़ी जरूरतों के भुगतान के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। खिलेश देवांगन ने कहा, यदि प्रत्येक यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाया जाता है तो इसका सीधा असर छोटे दुकानदारों और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। दुकानदार अतिरिक्त लागत की भरपाई के लिए ग्राहकों से अधिक राशि वसूल सकते हैं। इससे छोटे लेनदेन करने वाले लोगों पर भी आर्थिक बोझ बढ़ेगा। उन्होंने एनपीसीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग 29.82 लाख करोड़ रुपये रहा। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले डिजिटल भुगतान माध्यम पर शुल्क लगाने से व्यापक असर पड़ेगा। कांग्रेस ने यूपीआई को शुल्क-मुक्त बनाए रखने की मांग की है।

मांढर में हुआ आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसीवां

11वें आयुर्वेद दिवस के पावन अवसर पर ग्राम मांढर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 09 में एक विशाल आयुष स्वास्थ्य एवं बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शासकीय आयुर्वेद औषधालय अकोली द्वारा आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयुष चिकित्सा पद्धति के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार और विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया।

शिविर के दौरान विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया बीमारी के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। उपस्थित चिकित्सकों ने सिकल सेल के प्रमुख लक्षणों, इसकी पहचान के लिए आवश्यक जांचों और बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी साझा की। इसके साथ ही, सारडा एनर्जी एंड मिनरल लिमिटेड के विशेष सौजन्य से एफ-95 फिजियोथेरेपी यूनिट द्वारा ग्रामीणों को फिजियोथेरेपी से संबंधित परामर्श एवं शारीरिक पुनर्वास के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल की टीम ने ग्रामीणों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया। आंखों की जांच के उपरांत जरूरतमंद मरीजों को चश्मों का वितरण किया गया, वहीं मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे के उपचार के लिए परामर्श दिया गया। यह संपूर्ण आयोजन सारदा एनर्जी के एचआर हेड विवेक चौधरी, सुरेंद्र लांजेवार तथा संयन्त्र प्रमुख मनोज कुमार साह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अवसर पर सारडा एनर्जी एंड मिनरल लिमिटेड से गौरी बोले एवं राहुल आदिल, शासकीय आयुर्वेद औषधालय अकोली से डॉ. राजलक्ष्मी शर्मा, ईशा निषाद तथा आंगनवाड़ी केंद्र के गौरी एवं दीपमाला सहित कई गणमान्य नागरिक और ग्रामीण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनजातीय महिलाओं के शोध को मिली अकादमिक मान्यता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसीवां

समाजशास्त्र के क्षेत्र में जनजातीय महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़े एक महत्वपूर्ण शोध कार्य के लिए शोधार्थी सुरेंद्र कुमार को पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है। उनका यह अध्ययन "राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) का जनजातीय महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान का अध्ययन" विषय पर आधारित था।

शोध अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ है कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद जनजातीय महिलाओं की आय, बचत, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को सामूहिक गतिविधियों, वित्तीय प्रबंधन और विभिन्न आजीविका साधनों से जोड़ने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अध्ययन में यह बात भी सामने आई कि आर्थिक गतिविधियों में बढ़ती भागीदारी के कारण पारिवारिक निर्णयों में महिलाओं का प्रभाव और योगदान बढ़ा है।

सुरेंद्र कुमार का यह शोध डॉ. प्रीति मिश्रा के निर्देशन में पूरा हुआ, जिसका मूल्यांकन विषय विशेषज्ञ प्रो. टी. के. दलपति द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ. हेमलता बोर्कर, डॉ. निस्तर कुजूर, डॉ. एल. एस. गजपाल, डॉ. अखिल यदु और चंद्रकांत साहू सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

गणेशोत्सव ...

सांकरा। श्री अष्टविनायक गणेशोत्सव समिति चिखली

गणेशोत्सव की रौनक, 11 दिनों तक होंगे धार्मिक आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

क्षेत्र में गणेशोत्सव की धूम मची हुई है। ठाकुरदेव चौक मढ़ी में भी श्री ठाकुरदेव गणेशोत्सव समिति द्वारा गणेश जी की स्थापना की गई है। बप्पा की भजनों से गुलजार गलियां, मंत्रोच्चारण के साथ गुंजती शंख की ध्वनि, तोरन पताका और झालरों से सजे दरबार और गणपति की महाआरती की गुंज, चारों ओर सुनाई दे रहा है। गणेश चतुर्थी से शुरू हुआ पर्व जो पूरे 11 दिनों तक चलेगा। आगामी 25 और 26 सितंबर को भक्त मंगलमूर्ति को नम आंखों से विसर्जित करेंगे।

छोटे-बड़े पंडालों में सुबह-शाम आरती के साथ पूजन, दर्शन, महाप्रसादी वितरण के अलावा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, कीर्तन भी हो रहा है।

गणेश विसर्जन को लेकर शांति समिति की बैठक में एक ही स्थान पर प्रतिमा विसर्जन पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

गणेश विसर्जन को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परिसर में गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विसर्जन के दौरान सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सीएसपी रायपुर ग्रामीण ने कहा कि सभी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन एक ही निर्धारित स्थान पर किया जाए, ताकि पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती कर कानून-व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सके। अलग-अलग स्थानों पर विसर्जन किए जाने की स्थिति में पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने में परेशानी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार विसर्जन के दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। गणेश उत्सव समितियां अपने स्तर पर वालंटियर नियुक्त कर व्यवस्था संभालें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विसर्जन के दौरान नशे का सेवन कर हुड़दंग या उपद्रव करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में पालिका उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी, राधाकृष्ण टंडन, भरत बैस, दिलीप अग्रवाल, नीलकमल गिलहरे, रूपनारायण साहू, शशि साहू, खेलू साहू, राघवेंद्र साहू, बिहारी साहू, बीरेन्द्र सिन्हा, प्रकाश साहू सहित थाना प्रभारी, एसडीएम, तहसीलदार एवं गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता डि वी विनस वेन्चर्स द्वारा भागीदार 01 दिलीप जैन पिता ताराचंद जैन निवासी आर के मॉल के पीछे कोटा रायपुर, 02. विशाल जैन पिता प्रवीण जैन, निवासी-सेक्टर 02 देवेन्द्र नगर रायपुर जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि वाके मौजा ग्राम माना, प.ह.नं. 08, रा.नि.मं. रायपुर-18-कांदुल तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित खसरा नं. 647/1 रकबा 0.1780 हे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर लिया गया है, मात्र बैनामा पंजीयन कराना शेष है।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति के स्वामित्व आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था निकाय बोर्ड, प्राधिकरण शासन एवं प्रशासन आदि को उजर, दावा आपत्ति हो तो मेरे समक्ष मेरे नीचे लिखे पते पर मय दस्तावेज आपत्ति इस आम सूचना के प्रकाशन के 07 दिनों के अंदर प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात मेरे पक्षकार उपरोक्त सम्पत्ति का बैनामा पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा, बाद म्याद की गयी आपत्ति अवैध एवं शून्य होगी जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। अतः सूचना जाने।

दिनांकः- 21/09/2026

भवदीय
रोहन सिन्हा अधिवक्ता,
अभनपुर,जिला रायपुर छ.ग.
मो.नं.- 99811 02751

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता डि वी विनस वेन्चर्स द्वारा भागीदार 01 दिलीप जैन पिता ताराचंद जैन निवासी आर के मॉल के पीछे कोटा रायपुर, 02. विशाल जैन पिता प्रवीण जैन, निवासी-सेक्टर 02 देवेन्द्र नगर रायपुर जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि वाके मौजा ग्राम निमौरा, प.ह.नं. 14, रा.नि.मं. केन्द्री तहसील अभनपुर, जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित खसरा नं.- 577/4 शामिल 578/4, 579/2, 580, 581, 852/1, 582/2, 583/2 रकबा क्रमशः - 0.2470, 0.1010, 0.4090, 0.3120, 0.2550, 0.0890, 0.0320 हे. कुल खसरा 07 कुल रकबा 1.4450 हे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर लिया गया है, मात्र बैनामा पंजीयन कराना शेष है।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति के स्वामित्व आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था निकाय बोर्ड, प्राधिकरण शासन एवं प्रशासन आदि को उजर, दावा आपत्ति हो तो मेरे समक्ष मेरे नीचे लिखे पते पर मय दस्तावेज आपत्ति इस आम सूचना के प्रकाशन के 07 दिनों के अंदर प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात मेरे पक्षकार उपरोक्त सम्पत्ति का बैनामा पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा, बाद म्याद की गयी आपत्ति अवैध एवं शून्य होगी जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। अतः सूचना जाने।

दिनांकः- 21/09/2026

भवदीय
रोहन सिन्हा अधिवक्ता,
अभनपुर,जिला रायपुर छ.ग.
मो.नं.- 99811 02751

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों ने ड्राइंग भाषण प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से प्रारंभ हुए सेवा संकल्प अभियान में प्रदेश के स्कूलों में ड्राइंग व भाषण प्रतियोगिता में प्रदेश के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी इंद्रजीत सिंह खालसा ने बताया, दो दिवसीय आयोजन के तहत कुल 46,441 विद्यालयों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दोनों विधाओं में कुल 32,25,717 बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया। इनमें ड्राइंग प्रतियोगिता में कुल 22,58,002 छात्र-छात्राओं ने रंगों व चित्रों के माध्यम से नए भारत के विजन, सेवा और सुशासन के भाव को कैनवास पर उकेरा। इसी प्रकार कुल 9,67,715 विद्यार्थियों ने ओजस्वी वाणी में राष्ट्र निर्माण, गरीब कल्याण और प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा पथ पर विचार रखे। इन प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यालयों में लगभग 43,00,956 बच्चों की कुल उपस्थिति दर्ज की गई, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और ऊर्जा से सराबोर रहा। यह आयोजन केवल छात्र-छात्राओं तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें समाज के विभिन्न वर्गों की व्यापक हिस्सेदारी देखने को मिली।

रोड सेफ्टी क्लास में बताए ट्रैफिक सुरक्षा के उपाय

रायपुर। सुरक्षित भवः फाउंडेशन द्वारा इंडिया इंडस्ट्रियल एक्सपो के सहयोग से रविवार को रोड सेफ्टी क्लास का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों एवं उपस्थित लोगों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का संचालन मैत्री व्यास डिप्टी डायरेक्टर, सुरक्षित भवः फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर रक्षा सुरक्षा-सेफ्टी एंगल, सुरक्षित भवः फाउंडेशन द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावी एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा सुरक्षा को लेकर विशेष डेमो भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें सड़क पर सतर्कता, यातायात नियमों के पालन तथा सुरक्षित व्यवहार के महत्व को समझाया गया। इस दौरान केशव राव डायरेक्टर, टीके भोई ट्रैफिक टीचर, इकबाल खान प्रेसिडेंट, रोड सेफ्टी क्लब, मैत्री व्यास ने महत्वपूर्ण सुरक्षा संदेश दिए गए। इस दौरान एक्सपो के अध्यक्ष डॉ. सीपी दुबे महामंत्री कैलाश चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष अनिल बाकलीवाल, प्रांत सचिव तूलिका पांडे, सचिव प्रांजल सिंह ठाकुर, सचिव जितेंद्र चंद्राकर, पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित 150 से अधिक लोगों ने सहभागिता की।

मोबाइल मांगने गए युवक पर चाकू से हमला

रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र के ग्राम मांढर में मोबाइल मांगने गए युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। राकेश साहू पर तुषार साहू ने चाकू से हमला किया। युवक को गंभीर हालत में उपचार के लिए आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के साथी ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर वह अपने दोस्त के साथ बात कर रहा था। इस दौरान उसने बताया कि उसकी बहन का मोबाइल तुषार ने रखा है। इसके बाद दोनों मोबाइल मांगने तुषार के घर पहुंचे। इस दौरान राकेश का तुषार के साथ मोबाइल को लेकर विवाद हो गया।

निधन

कोसलेंद्र शास्त्री

रायपुर। ग्राम बैमा-नगोई निवासी

कोसलेंद्र (मुकेश) शास्त्री का 21 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. छैल कुमार शास्त्री के छोटे पुत्र और रितेश शास्त्री के छोटे भाई एवं ईशान शास्त्री तथा अक्षत शास्त्री के पिता थे।

पीडब्लूडी की ई-टेंडरिंग व्यवस्था पर आज से ठेकेदारों को जीई-पीएनआईसी ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोक निर्माण विभाग में ई-टेंडरिंग की व्यवस्था में बदलाव होने जा रहा है। 1 अक्टूबर से विभाग की सभी निविदाओं का सृजन और प्रकाशन राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली एनआईसी पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। नई व्यवस्था लागू होने से पहले ठेकेदारों को पोर्टल के उपयोग की जानकारी देने विभाग ने ऑनलाइन प्रशिक्षण की व्यवस्था की है।

1 अक्टूबर से निविदाओं का सृजन और प्रकाशन जीई-पीएनआईसी पर ही होगा

22 से 30 सितंबर तक प्रशिक्षण

विभाग के अनुसार, 22 से 30 सितंबर तक प्रत्येक कार्य दिवस दोपहर 12 से 1 बजे तक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण चिप्स के माध्यम से होगा। इसमें ठेकेदारों को जीई-पीएनआईसी पोर्टल की बुनियादी जानकारी और निविदा प्रक्रिया में इसके उपयोग की जानकारी दी जाएगी।

पोर्टल पर नामांकन जरूरी

नई व्यवस्था के तहत 1 अक्टूबर से निविदाओं का सृजन और प्रकाशन जीई-पीएनआईसी पर ही होगा। ऐसे में निविदाओं में भाग लेने के लिए ठेकेदारों का पोर्टल पर नामांकन कराना अनिवार्य होगा। विभाग ने ठेकेदार संगठनों से अपने सदस्यों को प्रशिक्षण की जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने को कहा है। विभाग का कहना है कि नई ई-टेंडरिंग व्यवस्था शुरू होने के बाद ठेकेदारों को तकनीकी दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसी उद्देश्य से पोर्टल लागू होने से पहले प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय ने छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर यूनियन के अध्यक्ष बिरेश शुक्ला और बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया, रायपुर के स्टेट प्रेसिडेंट रूपेश सिंघल को पत्र भेजकर ठेकेदारों को प्रशिक्षण में शामिल कराने की अपील की है। दोनों संगठनों से जीई-पीएनआईसी पोर्टल के संबंध में ठेकेदारों के बीच जानकारी पहुंचाने में सहयोग करने को भी कहा गया है।

व्याख्याता के 854 पदों पर भर्ती, हिन्दी-इंग्लिश व संस्कृत में सर्वाधिक 120 पद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग में व्याख्याता के 854 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत 5 हजार शिक्षकीय पदों पर भर्ती की घोषणा के क्रम में विभाग द्वारा व्याख्याता पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा रहा है। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा जारी जानकारी के अनुसार व्याख्याता के कुल 854 पदों में ई-संवर्ग की शालाओं में 424 पद तथा टी-संवर्ग की शालाओं में 430 पद भरे जाएंगे। विषयवार रिक्त पदों में हिन्दी के 120, अंग्रेजी के 120, संस्कृत के 120, भौतिकी के 94, राजनीति शास्त्र के 100, इतिहास के 100, भूगोल के 100 तथा अर्थशास्त्र के 100 पद शामिल हैं।

- स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया विज्ञापन भर्ती परीक्षा 29 नवंबर को संभावित

कर्मचारी चयन मंडल लेगा परीक्षा

भर्ती के लिए आवश्यक शैक्षणिक अर्हता, आयु सीमा एवं अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी भर्ती विज्ञापन में दी जाएगी। भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। विस्तृत विज्ञापन व्यापम की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। व्याख्याता पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल (पूर्व नाम व्यापम) द्वारा किया जाएगा। भर्ती परीक्षा की संभावित तिथि 29 नवम्बर 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन भरने की तिथि एवं अन्य आवश्यक जानकारी पृथक से जारी की जाएगी।

तीन सरकारी समेत 6 मेडिकल और एक डेंटल कालेज में प्रवेश

गैर राज्यों के अभ्यर्थियों को मिली राज्य कोटे की सीट, डोमिसाइल जांच पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

मेडिकल और डेंटल कालेजों में राज्य कोटे की सीट पर एडमिशन के दौरान मूल निवास प्रमाणपत्र की जांच पर सवाल खड़े होने लगे हैं। अंबिकापुर, जांजगीर के शासकीय समेत 6 मेडिकल और एक डेंटल कालेज में गैर राज्यों के अभ्यर्थियों को प्रवेश देने का आरोप लगा है। प्रवेश नियम के मुताबिक, अन्य राज्यों के विद्यार्थियों को केवल निजी मेडिकल और डेंटल कालेजों में प्रबंधन की सीटें आवंटित की जा सकती हैं।

राज्य में दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है, इस दौरान कुछ छात्रों ने मूल निवास प्रमाणपत्र की जांच में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि काउंसिलिंग के दौरान सर्टिफिकेट की जांच के बिना दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों को निजी के साथ सरकारी मेडिकल कालेजों में स्टेट कोटे की सीट पर प्रवेश दे दिया गया है। इनमें अंबिकापुर की एक तथा जांजगीर मेडिकल कालेज की 2 सीटों पर झारखंड, महाराष्ट्र और ओडिशा के तीन छात्रों को प्रवेश दिया गया है। साथ ही तीन निजी मेडिकल और एक डेंटल कालेज में भी राज्य कोटे की सीट पर एडमिशन दिया गया है। शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि जांच में बरती गई लापरवाही की वजह स्थानीय निवासी उन छात्रों को भी एडमिशन नहीं मिल पाया है, जो प्रवेश के लिए पात्र हैं। शिकायत करने वाले छात्रों ने सीट आवंटन, दस्तावेज सत्यापन अथवा पात्रता से जुड़ी शिकायतों पर जांच की मांग की है।

प्रवेश के पूर्व दस्तावेजों की जांच

प्रवेश के पहले अभ्यर्थियों के सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान जिनके मूल निवास प्रमाणपत्र गलत पाए जा रहे हैं, उन्हें प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

- रितेश अग्रवाल, आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा, छग

डोमिसाइल की जांच के लिए ज्ञापन

काउंसिलिंग में शामिल होने वाले दिनेश पटेल, कोनार्क सांडे सहित अन्य लोगों ने विकास जैन मित्तल के नेतृत्व में सोमवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुख्यालय पहुंचकर इस काउंसिलिंग प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि छत्तीसगढ़ के मूल निवासी पात्र अभ्यर्थियों के अधिकारों की रक्षा करना प्रशासन की जिम्मेदारी है और किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए, अन्यथा इसके लिए आंदोलन किया जाएगा।

हाईकोर्ट में खारिज हो चुकी याचिका

मूल निवास के दस्तावेजों में विसंगति के मामले में कुछ छात्रों ने क्रॉस वेरिफिकेशन के मामले में हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। तर्क दिया गया था कि पूर्व की भांति मूल निवासी अभ्यर्थियों की पृथक सूची जारी नहीं की गई है। सुनवाई के दौरान चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नियमानुसार काउंसिलिंग का अपना पक्ष रखा था। सुनवाई के दौरान पर्याप्त एवं ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जाने की वजह से न्यायालय ने याचिका को खारिज कर दिया था।

भाठागांव सब्जी बाजार में जगह आवंटन में अनियमितता के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाठागांव के नए सब्जी बाजार में दुकानों एवं स्थान के आवंटन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सब्जी व्यापारियों और वार्डवासियों ने आवंटन में अनियमितता का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच तथा नए सिरे से आवंटन की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि वर्षों से यहां सब्जी का व्यवसाय कर रहे स्थानीय कारोबारियों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। मामले को लेकर वे मंगलवार को सुबह 11 बजे नगर निगम आयुक्त और महापौर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेंगे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड में बना नया सब्जी बाजार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में करीब 1 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया था। बाजार में स्थल आवंटन को लेकर व्यापारियों ने पूर्व पार्षद सतनाम सिंह पनाग और ब्रह्मा सोनकर से मुलाकात कर शिकायतें सामने रखीं। उनका आरोप है कि एक ही परिवार के 3-4 सदस्यों को अलग-अलग स्थान आवंटित किए गए हैं, जबकि कई पुराने स्थानीय व्यापारियों को जगह नहीं मिली। वार्ड के बाहर के लोगों को भी जगह आवंटित किए जाने की शिकायत की गई है। व्यापारियों ने आवंटन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की मांग की है।

- महापौर और आयुक्त को आज सौंपेंगे ज्ञापन, कांग्रेस ने नए सिरे से आवंटन की मांग उठाई

डबल इंजन की सरकार में भर्राशाही : मेनन

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा, डबल इंजन की सरकार हर जगह भ्रष्टाचार करने में लगी है। जिन लोगों के लिए यह बाजार बना, उन्हें ही आवंटन से बाहर कर दिया गया। उन्होंने निगम प्रशासन से सर्वे कर पुनः आवंटन करने की मांग रखी है।

पेज 09 के शेष ...

तिमाही में ही गड़बड़ी..

सेक्शन में यह सवाल पूछा गया। विशेष बात यह रही कि तीनों ही खंड के प्रश्न एक पृष्ठ में थे। अर्थात एक ही पेज में तीन बार सवालों की पुनावृत्ति स्पष्ट रूप से दिख रही थी। हैरानी का विषय है कि इसके बाद भी इस ओर किसी जिम्मेदार का ध्यान नहीं गया। जब छात्रों को प्रश्नपत्र बांटे गए तो वे इसे देखकर आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने शिक्षकों को इसकी सूचना दी। चूंकि तिमाही के अंत वार्षिक परीक्षाओं में जुड़ेंगे, इसलिए शिक्षकों ने छात्रों को रिस्क ना लेने की सलाह देते हुए सवालों के उत्तर तीन बार देने की हिदायत दी। देर शाम तक सोशल साइट्स और व्हॉट्सऐप ग्रुप में ये प्रश्नपत्र वायरल हो गए।

'गणनायक' को विदाई देने ...

निकलेगी, वहां झांकी की निगरानी के लिए पांच ड्रोन कैमरे की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा झांकी मार्ग पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। कैमरे सुचारू हालत में संचालित हो रहे हैं या नहीं, पुलिस की टीम इसकी एक बार जांच कर चुकी है। जो कैमरे खराब हैं या बंद हैं, उन्हें 25 सितंबर के पहले ठीक करने पुलिस कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं।

रावघाट-ताड़ोकी रेललाइन ...

22 सितंबर को दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच स्पीड ट्रायल किया जाएगा। इस दौरान स्पेशल ट्रेन सामान्य परिचालन की तुलना में अधिक गति से चलेगी। रेलवे प्रशासन ने आमजनों से रेलवे ट्रैक, समपार और उसके आसपास के क्षेत्र में अनावश्यक रूप से प्रवेश नहीं करने तथा ट्रैक से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की अपील की है। ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों से अपने मवेशियों को भी रेलवे ट्रैक और उसके आसपास नहीं जाने देने को कहा गया है। रेलवे ने चेतावनी दी है कि स्पीड ट्रायल के दौरान ट्रैक पर किसी व्यक्ति या मवेशी की मौजूदगी अत्यंत जोखिमपूर्ण हो सकती है।

डीजे-धुमाल बजाया तो खैर ...

है, किसी भी व्यक्ति, समिति अथवा आयोजनकर्ता द्वारा इसका पालन नहीं करने पर धुमाल, डीजे के गाड़ी मालिक, चालक एवं आयोजनकर्ता के खिलाफ बीएनएस की धारा-270 के तहत सार्वजनिक उपद्रव माना जाएगा एवं कठोर कार्रवाई की जाएगी। रोक के बाद भी शोर मचाने पर बीएनएस की धारा-293 के तहत छह माह की जेल तथा पांच हजार रुपए जुर्माने की चेतावनी जारी की गई है।

हवाई यात्रियों को किताबें ...

बनाकर विभिन्न तरह की किताबें संजोने स्थान तय कर लिया गया था। रायपुर विमानतल पर इसका काम तो तेजी से पूरा कर लिया गया, मगर कुछ अन्य एयरपोर्ट पर यह प्रक्रिया पूरी नहीं होने की वजह से इसका लोकार्पण अटक गया। विमानतल से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस सुविधा की शुरुआत और लोकार्पण मुख्यालय स्तर पर तय होगा। योजना के मुताबिक बनाई गई फ्लाईब्रेरी में हिंदी, अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं की किताबें, बच्चों के कॉमिक्स, टूरिस्ट बुक, ज्ञानवर्धक एवं साहित्यिक किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी। यात्री इसका उपयोग अपने सफर के दौरान कर सकेंगे। इसके बाद उन्हें यात्रा खत्म होने पर विमानतल पर उसे ही जमा कर सकेंगे। संबंधित विमानतल पर यह सुविधा नहीं होने पर यात्री उसे अपने साथ लेकर भी जा सकेंगे।

गांड़ा समाज जाति प्रमाणपत्र के मुद्दे पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के गांड़ा समाज को जाति प्रमाणपत्र बनवाने में आ रही दिक्कतों का मामला अब दिल्ली पहुंच गया है। राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर पात्र आवेदकों के लिए जाति प्रमाणपत्र प्रक्रिया सरल और एकरूप बनाने की मांग की है। महासमाज के संस्थापक अधिवक्ता भगवानू नायक, राष्ट्रीय प्रभारी बनमाली छुरा और युवा प्रभारी आशीष तांडी ने कहा, पुराने राजस्व अभिलेख उपलब्ध नहीं होने के कारण कई पात्र परिवारों को प्रमाणपत्र बनवाने में परेशानी हो रही है। संगठन ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के 10 जून 2025 के परिपत्र को छत्तीसगढ़ में प्रभावी रूप से लागू करने और वंशावली, जन्म-मृत्यु रिकॉर्ड, शैक्षणिक दस्तावेज सहित अन्य स्वीकार्य साक्ष्यों के आधार पर आवेदनों की जांच की मांग की।

अनुसूचित जाति आयोग ले संज्ञान

ज्ञापन में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 3 जुलाई 2026 के आदेश का हवाला दिया गया। संगठन के अनुसार, कोर्ट ने सक्षम अधिकारी को केंद्रीय परिपत्र और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आवेदन पर पुनर्विचार कर 60 दिनों में कारणयुक्त आदेश देने का निर्देश दिया था।

महासमाज ने केवल पुराने दस्तावेजों के अभाव में खारिज आवेदनों के पुनः परीक्षण, सभी जिलों में एक समान प्रक्रिया के लिए एसओपी जारी करने तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से मामले का संज्ञान लेने की मांग भी की है।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/ / अ-6अ/2025-2026
रायपुर, दिनांक 17/9/2026
ग्राम भाठागांव प.ह.नं. 60, तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशील चंद्र सोनी निवासी सी 51 फेस 2 वुड आईलैण्ड कालोनी अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि दिनांक 30.04.2012 को मेरे द्वारा श्रीमती संतोषी साव पति श्री अनिल कुमार 2782026 साव निवासी हसन कालोनी, शासकीय नर्सिंग कालेज के पास, टिकरापारा, रायपुर से मौजा ग्राम भाठागांव प.ह.नं. 105/47 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 63 कलम नं. 04 जिसका खसरा नं. 267 है का भाग जिसका रकबा 23X40=920 वर्गफीट अर्थात 85.50 वर्गमीटर खुली आवासीय भूखण्ड क्रय कर पंजीयन कराया गया था, जिस पर मैं आज दिनांक तक काबिज हूँ, तथा राजस्व विभाग द्वारा मैनुअल पद्धति से तैयार किए गए बी 1 में मेरा नाम दर्ज है। यह कि श्रीमती संतोषी साव उक्त भूखण्ड श्री रवीन्द्र कुमार चंद्राकर पिता श्री नरेन्द्र चंद्रकर निवासी सिद्धार्थ चौक टिकरापारा रायपुर तह. व जिला रायपुर से अक्टूबर 2011 में क्रय किया गया था जिसके पंजीयन की प्रतिलिपी अवलोकनार्थ प्रस्तुत है। उक्त दोनों अभिलेखों में खसरा नं. 267/18 दर्ज है। यह कि मेरे भूखण्ड के पूर्व में श्री सिन्हा जी का आवास है जिनका खसरा नं. 267/19 उनके पंजीकृत अभिलेखों में दर्ज है। यह कि मैं अपने स्वामित्व के भूखण्ड को विक्रय करना चाह रहा था इस हेतु आवश्यक कम्प्यूटरीकृत बी 1 की नकल प्राप्त करने में पटवारी कार्यालय भाठागांव गया तो पटवारी द्वारा यह जानकारी दी गई की मेरे स्वामित्व के भूखण्ड का खसरा क्र. 273 है अतः हम इसे अभिलेखों में दर्ज करने में असमर्थ हैं। यह कि मेरे भूखण्ड के दक्षिण में श्री अनिल साव का आवास है जिनका खसरा क्र. 267/18 है तथा पूर्व में श्री सिन्हा जी के भूखण्ड का खसरा क्र. 267/19 है ऐसी स्थिति में दोनों के बीच में स्थित मेरे आधिपत्य के भूखण्ड का खसरा क्र. 273 कैसे हो सकता है का लेख करते हुए भूखण्ड का खसरा नंबर 273 को संशोधित कर 267 करते हुए राजस्व अभिलेखों में आवेदक का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई में दिनांक 28/9/2026 को होगी।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 28/9/2026 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

वाके मौजा ग्राम-रायपुर खास, प.ह.नं. 62, रा.नि.मं. रायपुर, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित परिवर्तित भूमि ब्लॉक/शीट नंबर 48, भूखण्ड क्रमांक 55/2, रकबा 560 वर्गफुट जिसमें पुराना जर्जर मकान निर्मित है, के संबंध में

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार श्रीमती रानू साहू, पति श्री भरत लाल साहू, निवासी 22/229, वार्ड नंबर 12, पंडरी, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. ने विक्रेता श्री अनूप यादव, पिता स्व. नन्दूलाल यादव, निवासी - नानक किराना स्टोर के पास, ब्रम्हपुरी, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छग के स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित भूमि जो कि मौजा ब्लॉक/शीट नंबर 48, भूखण्ड क्रमांक 55/2, रकबा 560 वर्गफुट है जिसमें पुराना जर्जर मकान निर्मित है, को खरीदने का पक्का सौदा कर लिया है तथा जिसका पंजीयन किया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय-अर्धशासकीय निकाय, महाजन अथवा किसी पारिवारिक सदस्य या अन्य को किसी भी प्रकार से कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 7 दिनों के भीतर हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेवें। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति या उजर हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा इसके समक्ष शून्य व अवैध समझी जावेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जावेगा।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 21/09/2026

मुहर

हरनाम सुंदरानी
सुयश सुंदरानी
(अधिवक्तागण) लिबर्टी सेंटर
कचहरी चौक, रायपुर (छ.ग.)
मो. नं.- 93027- 81154

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, विक्रेता करण भारद्वाज पिता श्री सोनू राम निवासी जे.ए. वर्धमान नगर थोक सब्जी मण्डी के सामने देवपुरी रायपुर छ.ग. के भूमि स्वामी हक एवं आधिपत्य का दो मंजिला मकान जो कि वाके मौजा देवपुरी, प.ह.न. 73, रा.नि.म. रायपुर-2, तहसील व जिला रायपुर छ .ग. में स्थित है जिसका खसरा नंबर 203/56, रकबा 0.0140 हेक्टेयर, अर्थात 1500 वर्गफुट जिस पर दो मंजिला मकान निर्मित है जिसे हमारे मुवक्किल द्वारा पक्का सौदा कर बयाना राशि की अदायगी करते हुए इकरारनामा निष्पादित किया गया है तथा अब केवल बकाया प्रतिफल अदायगी उपरांत बैनामा पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः इस आम सूचना के जरिए सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था, समूह, फर्म, कंपनी, ट्रस्ट, संस्था को उक्त सौदे पर या सौदाशुदा संपत्ति पर कोई हक, दावा उजर या आपत्ति है तो वह हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज आम सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करें । मौखिक एवं बगैर दस्तावेज तथा म्याद बाद की गयी आपत्ति स्वयंमेव व शून्य व नाजायज माना जायेगा। सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग.

भवदीय
अजीत पाण्डेय, जितेन्द्र साहू, परमेश्वर साहू, शशीकांत दुबे, अधिवक्तागण
Office- Lalpur Chowk,
Dhamtari RoadLalpur, Raipur
(C.G.) 492015,
Mob. No. 7974779626, 9685163604

लोकपर्व पर रेलवे स्टेशनों में लोकगीत बजाने की मांग

रायपुर। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी महिला संगठन जिला रायपुर ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के डीआरएम के नाम आवेदन सौंपकर छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहारों और लोकपर्वों के दौरान रेलवे स्टेशनों पर छत्तीसगढ़ी लोकगीत बजाने तथा क्वांर नवरात्रि में विशेष ट्रेन चलाने की मांग की है। पार्टी ने कहा कि हरेली, पोरा, तीजा, भोजली, कर्मा, क्वांर नवरात्रि, देवारी, गौरा-गौरी, छेरछेरा, फागुन तिहार और बस्तर दशहरा जैसे पर्व छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान हैं। मांग की गई कि प्रमुख लोकपर्वों के अवसर पर रायपुर मंडल के रेलवे स्टेशनों में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोकधुन और संगीत का प्रसारण किया जाए। साथ ही राज्य स्थापना दिवस 1 नवंबर को भी विशेष रूप से छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत बजाया जाए। पार्टी ने क्वांर नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रमुख देवी स्थलों तक जाने के लिए विशेष ट्रेन चलाने की मांग की है। आवेदन में डोंगरगढ़ स्थित बम्लेश्वरी माता, रतनपुर महामाया मंदिर, महासमुंद खल्लारी माता मंदिर और बागबाहरा के चंडी मंदिर का उल्लेख किया गया है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

विवि ही उपलब्ध कराएंगे विदेशी विद्यार्थियों को आवास, अनुशासन बनाने नई व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिले के विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि जो विदेशी विद्यार्थी भारत में अध्ययन के लिए आते हैं, इसलिए उनके लिए सुरक्षित, अनुशासित एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराए जाएं।

खास खबर

विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा, शैक्षणिक वातावरण एवं स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था से संबंधित विषयों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट में विशेष बैठक आयोजित की गई। विदेशी विद्यार्थियों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवास, संस्थानों की जिम्मेदारी तथा स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों को निर्देशित किया गया कि विदेशी विद्यार्थियों के आवास एवं आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में जो विदेशी विद्यार्थी विश्वविद्यालय व कॉलेज के छात्रावास से बाहर निजी मकानों, पीजी अथवा अन्य स्थानों पर रह रहे हैं। उन्हें अगले 15 से 30 दिनों के भीतर संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए अथवा संस्थान से संबद्ध सुरक्षित छात्रावास में स्थानांतरित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में संस्थानों को विद्यार्थियों की सुविधा, सुरक्षा, स्थानीय परिस्थितियों एवं उपलब्ध आवासीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया।

जिला प्रशासन ने दिया 30 दिनों का समय, नियमित निगरानी के निर्देश

संभावित कारणों को पहचानें

बैठक में कहा गया कि किसी भी अप्रिय घटना, दुर्घटना अथवा कानून-विरोधी गतिविधि की स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही उसके संभावित कारणों की पहचान कर आवश्यक निरोधात्मक कदम उठाए जाएं। प्रशासन एवं पुलिस को स्थानीय नागरिकों से समय-समय पर विदेशी विद्यार्थियों से संबंधित शिकायतें एवं सूचनाएं प्राप्त होती रही हैं। कुछ मामलों में विद्यार्थियों द्वारा अनुशासनहीनता अथवा कानून-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने की आशंका से संबंधित शिकायतें भी सामने आई हैं। इन शिकायतों को ध्यान में रखते हुए संस्थानों को अपने स्तर पर प्रभावी निगरानी, काउंसलिंग एवं अनुशासन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीयता के आधार पर ना करें कार्रवाई

यह स्पष्ट किया गया कि किसी भी विद्यार्थी के विरुद्ध केवल उसकी राष्ट्रीयता के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। कानून का उल्लंघन करने की स्थिति में ही संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर डॉ.गौरव सिंह एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने यह बैठक ली। उनके साथ बैठक में एडीएम उमाशंकर बंदे, एडीसीपी पीताम्बर पटेल, एएसपी ग्रामीण अभिषेक झा सहित संबंधित अधिकारी तथा विश्वविद्यालयों व शैक्षणिक संस्थानों के कुलपति एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

वक्ता मंच ने 50 युवाओं को किया सम्मानित

रायपुर। वक्ता मंच एवं जन एकता फाउंडेशन द्वारा युवा अभिव्यक्ति समारोह का आयोजन विमतारा सभागार में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न मोर्चों पर उल्लेखनीय कार्य कर रहे राजधानी व आसपास के 50 युवाओं को युवा गौरव सम्मान प्रदान किया गया। राजधानी व आसपास कार्यरत ऐसे असाधारण युवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया है, जिन्होंने अपने पसीने से उत्कृष्टता व सफलता की नई इबारत लिखी है। इस समारोह के विशेष आकर्षण के रूप में चयनित 50 युवाओं को युवा गौरव सम्मान प्रदान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि युवा देश की ताकत होते हैं, इसलिए युवाओं का सम्मान देश की ताकत का सम्मान है। समारोह के दौरान सारंगढ़ के युवा कवि विजय कोसले के काव्य संग्रह आईना का विमोचन किया गया। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह की मुख्य अतिथि उपसंचालक (वित्त) श्रद्धा सुमन एक्का, वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र शर्मा, मेकाहारा के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर, डॉ. अंशुली कलश एवं डॉ. उपेंद्र त्रिवेदी, प्रांजल सिंह राजपूत, प्रणम तिवारी, डॉ. अनुराग सिंग विश्वकर्मा आदि शामिल थे।

दानवीर भामाशाह सम्मान, 30 सितंबर तक मंगाए प्रस्ताव

रायपुर। समाज कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रतिवर्ष दानवीर भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2026 के लिए पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से 30 सितंबर तक प्रस्ताव मंगाए गए हैं। जिला समाज कल्याण कार्यालय रायपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपए की सम्मान राशि एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2026 के लिए ऐसे पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से प्रस्ताव मंगाए गए हैं, जिन्होंने दानशीलता एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय तथा अनुकरणीय कार्य किया हो। इच्छुक व्यक्ति, संस्था निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना प्रस्ताव 30 सितंबर तक जिला समाज कल्याण दफ्तर रायपुर में प्रस्तुत कर सकते हैं।

आयुक्त ने कहा- विभागीय सचिव से हैंडओवर की शर्तों को लेकर होगी चर्चा

आरडीए की तीन और हाउसिंग बोर्ड की छह कॉलोनियों को निगम के हैंडओवर होने का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की शहर में स्थित 9 बड़ी कालोनियों को अब तक रायपुर नगर निगम ने हैंडओवर नहीं लिया है। हाउसिंग बोर्ड की प्रदेशभर में इस तरह 32 कालोनियां हैं, जिसे संबंधित नगरीय निकाय में हैंडओवर लेने का निर्णय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंत्रिमंडल की बैठक में 8 माह पूर्व लिया गया। इसके बाद भी इन कालोनियों को संबंधित नगर निगमों ने हैंडओवर नहीं लिया है। इधर नगरीय प्रशासन सचिव ने भी संबंधित निगम आयुक्तों को पत्र लिखकर इस संबंध में प्रतिवेदन मांगा है।

हरिभूमि सरोकार

हाउसिंग बोर्ड के सीईओ अवनीश शरण का कहना है कि आरडीए और हाउसिंग बोर्ड के कालोनियों के हैंडओवर का निर्णय निगम को लेना है। इधर निगम आयुक्त संबित मिश्रा का कहना है, शहर में आरडीए और हाउसिंग बोर्ड की जिन कालोनियों का निगम में हैंडओवर होना है, उनका ज्वाइंट इंस्पेक्शन हो चुका है, किस शर्त पर इन कालोनियों को हैंडओवर लेना है, इस संबंध में विभागीय सचिव से चर्चा होगी। दरअसल कैबिनेट में 8 माह पूर्व हाउसिंग बोर्ड और आरडीए की कालोनियों को नगर निगम में हस्तांतरित करने का निर्णय हुआ था, जिसमें छत्तीसगढ़ गृह निर्माण की प्रदेशभर में 32 कालोनियां, जिसमें शहर में स्थित 9 बड़ी कालोनियां, आरडीए की 3 कालोनियां शामिल रहीं। इनमें रायपुर विकास प्राधिकरण की 1600 एकड़ विकसित टाउनशिप माता कौशल्या विहार, इंद्रप्रस्थ रायपुरा फेज-1, फेज-2 के अलावा प्राधिकरण की पुरानी कालोनियों में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आवासीय परिसर हीरापुर, बोरियाखुर्द की कालोनी शामिल है। इसी तरह हाउसिंग बोर्ड की शहर में स्थित कालोनी कचना फेज-2, सेलटैक्स कालोनी भावना नगर, चिल्फी हाइट्स, देवपुरी स्थित हिमालयन हाइट्स , डूमरतराई आवासीय कालोनी सहित अन्य कालोनियां नगर निगम को हैंडओवर होनी हैं।

निगम के सामने चुनौती इस तरह

इन ज्यादातर कालोनियों में 15 साल पुरानी पाइपलाइन होने से इसके उपयोग की अवधि समाप्त होने को है। ऐसे में बड़े पैमाने पर पाइपलाइन बदलने की जरूरत है। कई जगह का ड्रेनेज सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। माता कौशल्या विहार में 150 बगीचे अलग-अलग ब्लाक में विकसित गए हैं, जो कि खस्ताहाल हैं, इसके अलावा इंद्रप्रस्थ रायपुरा के में आरडीए द्वारा विकसित 16 छोटे-बड़े गार्डन की देखरेख व संधारण का जिम्मा नगर निगम को संभालना है। इन सबके अलावा सफाई कर्मचारी, पंप आपरेटर, बिजली कर्मचारी, उद्यान चौकीदार, सुरक्षा गार्ड, चौकीदार के लिए अतिरिक्त बजट की जरूरत पड़ेगी ।

सालों पुरानी कालोनियों में समस्या ही समस्या

रायपुर नगर निगम आरडीए और हाउसिंग बोर्ड की कालोनियों को हैंडओवर लेने से पहले जोन स्तर पर संबंधित कालोनियों में मूलभूत सुविधाओं की पड़ताल कर इसमें लगने वाले खर्च का इस्टीमेट तैयार कर डिमांड नोट भी बना रहा है। हाउसिंग बोर्ड की 9 बड़ी कालोनियों और रायपुर विकास प्राधिकरण की 3 बड़ी कालोनियों में सालों पुरानी पाइपलाइन, जर्जर सड़क, स्ट्रीट लाइट और उद्यानों की माली हालत के साथ सीवरेज सिस्टम में व्याप्त खामियों का स्थल निरीक्षण कर उसके सुधार में लगने वाले प्रस्तावित खर्च का आकलन कर जोनवार रिपोर्ट तैयार कर रायपुर नगर निगम के मुख्य अभियंता को भेजने निर्देशित किया गया है। इन कालोनियों के रखरखाव के लिए नगर निगम को एकमुश्त संसाधनों की भी जरूरत पड़ेगी। इस पर शासन स्तर पर निर्णय होना बाकी है। नगर निगम जोन कमिश्नरी ने हाउसिंग बोर्ड की देवपुरी स्थित कालोनी हिमालयन हाइट्स के 1 से 3 आवासीय परिसर, आरडीए के माता कौशल्या विहार की 22 कालोनियों और काठाडीह मार्ग में स्थित कालोनी का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार कर ली है। इसी तरह आरडीए की रायपुरा स्थित इंद्रप्रस्थ फेज-1, फेज-2 का स्थल सर्वे जोन-8 ने पूरा कर डिमांड नोट बनाकर नगर निगम के मुख्य अभियंता को भेज दिया है।

निगम कमिश्नर का ये है कहना

आरडीए और हाउसिंग बोर्ड की कालोनियों को शासन की मंशा अनुसार नगर निगम को हैंडओवर लेना है। इसके लिए ज्वाइंट इंस्पेक्शन हो चुका है। विभागीय सचिव के साथ बैठक होनी है, जिसमें किस शर्त पर संबंधित कालोनियों को हैंडओवर लेना है, इस पर चर्चा होगी। साथ ही आरडीए और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों से भी चर्चा करेंगे। - **संबित मिश्रा**, आयुक्त, ननि रायपुर

महापौर का व्यू

हाउसिंग बोर्ड और आरडीए की कालोनियां नगर निगम को सौंपी जाएगी, केबिनेट में इसकी घोषणा हुई है। इसके लिए संसाधनों की जरूरत पड़ेगी। हम व्यवस्था के साथ संबंधित कालोनियों को हैंडओवर लेंगे। शासन स्तर पर निर्णय होना है।
- **मीनल चौबे**, महापौर, ननि रायपुर

निर्णय नगर निगम के हाथ

कैबिनेट में हुए निर्णय के अनुसार छत्तीसगढ़ में हाउसिंग बोर्ड की 32 कालोनियां, जिनमें शहर की 9 बड़ी कालोनियों और आरडीए की 3 कालोनियों को नगर निगम को हैंडओवर किया जाएगा। माता कौशल्या विहार, बोरियाखुर्द, इंद्रप्रस्थ फेज-1, फेज-2 कालोनी इनमें शामिल हैं। कालोनी जहां और जिस स्थिति में है, उसे नगर निगम को सौंपा जाएगा। नगरीय प्रशासन विभाग से भी इस संबंध में प्रदेश के सभी नगर निगमों को पत्र लिखकर निर्देश दिया गया है। निर्णय नगर निगम को लेना है। - **अवनीश शरण**, सीईओ, आरडीए

तलाक बिना दूसरा विवाह

शिक्षक पर कार्रवाई के लिए महिला आयोग ने विभाग को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने एक प्रकरण में शिक्षक पर कार्रवाई करने के लिए शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है। आयोग में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ शिकायत की है कि उसके पति ने दूसरा विवाह कर लिया है, जबकि अभी तक उन दोनों का तलाक नहीं हुआ है।

इस मामले में आयोग ने आवेदिका को न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत करने की सलाह देते हुए जिला शिक्षा विभाग मुंगेली को पत्र लिखा है, जिसमें शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में सोमवार को जल संसाधन विभाग स्थित प्रार्थना सभाकक्ष बिलासपुर में जनसुनवाई हुई, जिसमें महिला उत्पीड़न एवं महिला संबंधी शिकायतों से जुड़े 13 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। इन प्रकरणों में से एक प्रकरण में आवेदिका और अनावेदक दोनों पक्ष उपस्थित हुए। दोनों पक्षों ने आपसी मतभेद समाप्त कर आपसी सहमति से साथ रहने की बात कही।

उन्होंने भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा नहीं करने पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद आयोग द्वारा प्रकरण को नस्तीबद्ध किया। एक अन्य प्रकरण में आवेदिका उपस्थित हुईं, जबकि अनावेदक अनुपस्थित रहा। प्रकरण भरण-पोषण से जुड़ा हुआ है। इस मामले में आवेदिका का आवेदन न्यायालय में लंबित होना बताया गया है।

धर्म परिवर्तन के प्रकरण में उचित कार्रवाई के निर्देश

एक अन्य प्रकरण में आवेदिका अनुपस्थित रहीं, जबकि अनावेदक उपस्थित हुए। आयोग द्वारा आवेदिका से दूरभाष पर संपर्क किया गया तथा निर्धारित समय तक उनकी उपस्थिति नहीं होने पर अनावेदक का पक्ष सुना गया। अनावेदक द्वारा आवेदिका की ओर से विभिन्न स्थानों पर शिकायत किए जाने सहित अन्य तथ्य आयोग के समक्ष रखे गए। प्रकरण में धर्म परिवर्तन से संबंधित विषय सामने आने पर संबंधित सिविल लाइंस थाने से आवश्यक जानकारी प्राप्त करने तथा मामले में नियमानुसार उचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। आयोग द्वारा प्रकरण की आगामी सुनवाई में आवेदिका को उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

महादेव सट्टा : इजी माई ट्रिप के को-फाउंडर के खिलाफ ईडी कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऑनलाइन महादेव बेटिंग एप से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने इजी माई ट्रिप के को-फाउंडर निशांत पिट्टी के खिलाफ ईडी की स्पेशल कोर्ट में चालान पेश किया है। उनके खिलाफ सट्टेबाजी से मिली रकम को फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट (एफपीआई) के नाम पर शेयर बाजार में लगाने में मदद करने का आरोप है।

ईडी ने पिट्टी के खिलाफ 10 सितंबर को प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत चालान पेश किया है। ईडी ने पिट्टी के 59.60 करोड़ रुपए के डीमैट शेयर भी अटैच किए हैं। ईडी ने कोर्ट से इन शेयरों को जब्त करने की अनुमति मांगी है। एजेंसी ने इन्हें एंटी-मनी लॉनड्रिंग कानून के तहत अपराध से हुई आय यानी 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' बताया है। ईडी की चार्जशीट में पिट्टी का नाम पांचवी सप्लीमेंट्री में शामिल है। जांच एजेंसी ने इस चार्जशीट में 42 लोगों और कंपनियों को आरोपी बनाया है। इनमें ईबिक्स ग्रुप के चेयरमैन विकास गर्ग का नाम भी शामिल है। एजेंसी ने जुलाई में दिल्ली स्थित गर्ग के घर पर छापा मारने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में जेल में हैं।

सट्टे की रकम एफपीआई के नाम पर भारतीय शेयर बाजार में लगाने में मदद करने का आरोप

पिछले वर्ष अप्रैल में छापे की कार्रवाई

ईडी ने अप्रैल 2025 में पिट्टी के यहां छापे की कार्रवाई की थी। छापे की कार्रवाई के बाद ईडी ने उनसे इस साल अगस्त में पूछताछ भी की थी। उस समय इजी माई ट्रिप ने महादेव बेटिंग एप या किसी अन्य बेटिंग प्लेटफॉर्म से किसी भी तरह के सीधे या अप्रत्यक्ष संबंध से इंकार किया था। चार्जशीट में उल्लेख किया गया है कि जांच के दौरान मिले साक्ष्य में दुबई में रहने वाले स्काय एक्सचेंज के मालिक हरिशंकर टिबरेवाल का पिट्टी करीबी सहयोगी था।

रकम निवेश करने में मदद का आरोप

चार्जशीट में कहा गया है कि पिट्टी ने सक्रिय रूप से और अपनी इच्छा से टिबरेवाल की मदद की। एजेंसी के अनुसार, उन्होंने स्काय एक्सचेंज से जनरेट अपराध की रकम को अलग-अलग स्तरों पर लेयरिंग करने में मदद की और यह जानते हुए उस रकम को हासिल किया, अपने पास रखा, छिपाया और इस्तेमाल किया। ईडी के मुताबिक, इस वजह से पिट्टी पर एंटी-मनी लांड्रिंग कानून के तहत कार्रवाई बनती है। एजेंसी ने कहा कि इजी माई ट्रिप ने 2022 में भारत में हुई एक क्रिकेट सीरीज को स्काय एक्सचेंज के साथ मिलकर स्पॉन्सर किया था।

150 कार्यकर्ताओं की 'आप' में वापसी

रायपुर। कांग्रेस में जाने के लगभग 10 दिन बाद आम आदमी पार्टी के नेता नूर हसन अली के नेतृत्व में अंबिकापुर में 150 से अधिक कार्यकर्ताओं ने पार्टी में पुनः वापसी की है। यह दावा आम आदमी पार्टी द्वारा किया गया है। पार्टी के अनुसार, कार्यकर्ताओं की वापसी के बाद आयोजित सम्मेलन में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क सहित सरगुजा की जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों को मजबूती से उठाने और जनता के बीच सक्रिय रूप से काम करने का संकल्प लिया गया। प्रदेश संगठन महासचिव सरदार जसबीर सिंह चावला ने कहा, कार्यकर्ता किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं।
150 से अधिक कार्यकर्ताओं की वापसी से संगठन में नई ऊर्जा आई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी एकजुटता के साथ संगठन को गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

पुलिस की नाकाबंदी देखकर भागा गांजा तस्कर, कार डिवाइडर से टकराई, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ओडिशा से कार में 21.964 किलो गांजा लेकर दुर्ग जा रहे तस्कर को माना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस की नाकेबंदी देख गांजा तस्करी ने कार की रफ्तार तेज कर दी। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर तस्कर हड़बड़ा गया और उसकी कार डिवाइडर से टकरा गई। तब उसे पुलिस ने धर-दबोचा।

गांजा तस्करी के आरोप में पुलिस ने महासमुंद पिथौरा निवासी राजेंद्र यादव को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर गांजा तस्कर को पकड़ने पुलिस ने मछली मार्केट के पास नाकेबंदी की थी। पुलिस की नाकेबंदी देख आरोपी ने कार भगाने की कोशिश की, लेकिन हाट बाजार के पास डिवाइडर से टकराने के बाद कार रुक गई। पुलिस ने घेराबंदी कर तस्कर को पकड़ लिया। कार की डिक्की की जांच करने पर दो बैग में रखा 11 पैकेट गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, रविवार रात 11.45 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ओडिशा से गांजा लेकर कार से दुर्ग की ओर जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने मछली मार्केट के पास नाकाबंदी कर गाड़ियों की जांच शुरू की। चेकिंग के दौरान कार को रुकने का इशारा किया गया। तब चालक ने कार रोकने के बजाय तेज गति से भागने का प्रयास किया। इसी दौरान कार अन्य वाहन और हाट बाजार के पास डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस ने घेराबंदी कर चालक राजेंद्र यादव को पकड़ लिया।

ओडिशा से गांजा ला रहे तस्कर को माना पुलिस ने घेराबंदी कर धर-दबोचा

22 किलो गांजा जब्त

कार की डिक्की की जांच करने पर दो बैग में रखा 11 पैकेट गांजा बरामद हुआ

जीआईएस तकनीक से राजधानी में पहली बार बनेगा सब स्टेशन, नयापारा में खाली जगह पर बनाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी प्रदेश में पहली बार राजधानी रायपुर में जीआईएस तकनीक से 33/11 केवी का सब स्टेशन नयापारा में बनाने की तैयारी में है। इसके लिए टेंडर का काम पूरा हो गया है। जल्द ही इसका काम प्रारंभ होने की संभावना है।

जीआईएस तकनीक की खासियत यह है कि इसमें सामान्य सब स्टेशन में लगने वाले स्थान का महज 30 फीसदी स्थान ही लगता है। पॉवर कंपनी की कंपनियों में ट्रांसमिशन कंपनी के हिस्से में 132/33 और इससे ज्यादा क्षमता के सब स्टेशन बनाने का काम आता है। 33 और 11 केवी के सब स्टेशन बनाने का काम पॉवर वितरण कंपनी करती है। अब तक पॉवर वितरण कंपनी ने प्रदेशभर में जो भी 33 और 11 केवी के सब स्टेशन बनाने का काम किया है, सभी सामान्य तकनीक से बनाए गए हैं।

लगातार बढ़ रहा है लोड : पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है, राजधानी रायपुर में लगातार लोड बढ़ रहा है। अब तो यहां पर खपत पांच सौ मेगावाट के पार हो गई है। ऐसे में अब इसके लिए नए सब स्टेशन बनाने की जरूरत है, लेकिन नए सब स्टेशन के लिए बड़े स्थान नहीं मिल पाते हैं। यही वजह है कि अब जीआईएस तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। नयापारा के दफ्तर में करीब तीन हजार वर्गफीट जमीन पड़ी है। इस पर ही 33/11 केवी के सब स्टेशन बनाकर इसमें 10-10 एमवीए के दो पॉवर ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। 16 करोड़ की लागत से बनने वाले इस सब स्टेशन का काम एके कंस्ट्रक्शन को दिया गया है।

कम जगह घेरेगा सब स्टेशन : राजधानी रायपुर में नए सब स्टेशन बनाने के लिए अब स्थान की कमी होने लगी है। ऐसे में पॉवर वितरण कंपनी ने फैसला किया है कि आने वाले समय में कम स्थान में बनने वाले सब स्टेशन जीआईएस तकनीक से बनाए जाएंगे। इस तकनीक से ट्रांसमिशन कंपनी ने रावणभाठा में 2016 में 132/33 केवी का 63 एमवीए वाला सब स्टेशन बनाया था, जो बीते 10 साल से अच्छे से चल रहा है। एक तरफ जहां ट्रांसमिशन कंपनी अब 400 केवी के दो नए सब स्टेशन जीआईएस तकनीक से बनाने की योजना पर काम कर रही है, वहीं वितरण कंपनी ने भी अब इस तकनीक को अपनाने का फैसला किया है।

क्या है जीआईएस तकनीक

इस तकनीक के बारे में पॉवर कंपनी के अधिकारी बताते हैं, सामान्य तकनीक एयर इंसुलेटेड होती है, जबकि जीआईएस तकनीक गैस इंसुलेटेड रहती है। इसमें सल्फर हेक्साफ्लोराइड से इंसुलेटेड करके ऊर्जा को नियंत्रित और सप्लाई किया जाता है। इसमें जिस गैस का इस्तेमाल किया जाता है, वह 40 साल तक खराब नहीं होती। इसी के साथ इसमें सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि इसमें स्थान बहुत कम लगता है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक, जीआईएस पूरी तरह इंडोर होता है। सिस्टम में बड़ी-बड़ी पाइपलाइनें होती हैं, जिसमें गैस भरी जाती है। इसमें सब स्टेशन के उपकरण स्टॉल किए जाते हैं। ऑटोमेटिक सिस्टम से लैस इसे कंप्यूटर या लैपटॉप से संचालित किया जाता है। इसमें न अधिक कर्मचारियों की जरूरत होती है और न ही अधिक मेंटेनेंस की।

लाइव इवेंट

ज्ञान को पुस्तकों तक सीमित न रखें व्यवहार-समाज के विकास से भी जोड़ें

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में विभागीय आर्थिक परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया। सोमवार को यह आयोजन संस्थान के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के सेमिनार हॉल में किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ विचार-विमर्श, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना रहा। इसमें विभागीय आर्थिक परिषद के निर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष निलेश साहू एमए तृतीय सेमेस्टर, उपाध्यक्ष चंचल वर्मा एमए तृतीय सेमेस्टर, सचिव निकिता चौधरी एमए प्रथम सेमेस्टर एवं संयुक्त सचिव हर्षिका साहू एमए प्रथम सेमेस्टर ने पदभार संभाला। इस क्रम में अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल सोनेकर ने बताया कि कार्यक्रम में डॉ. रोहिणी प्रसाद पूर्व विभागाध्यक्ष तथा पूर्व कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा एवं डॉ. रूपेंद्र कवी उप सचिव संवैधानिक प्रकोष्ठ राज्यपाल सचिवालय वक्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचस्थ रहे।

विद्यार्थी अध्ययन के प्रति रहें अनुशासित

मुख्य वक्ता डॉ. रोहिणी प्रसाद ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए मजबूत आधार, समर्पण एवं निरंतर प्रयास आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अध्ययन एवं कार्य के प्रति गंभीरता, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखते हुए उसे व्यवहार एवं समाज के विकास से जोड़ना चाहिए। इसमें वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. रविंद्र ब्राह्मे, विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल सोनेकर, डॉ. अर्चना सेठी, डॉ. सुनील कुमेटीडॉ. कपिल कुमार चंद्रा एवं डॉ. प्रगति कृष्णन का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। कार्यक्रम में एमए प्रथम सेमेस्टर सहित अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लाइवलीवुड कॉलेज में प्रशिक्षु युवाओं में इलेक्ट्रॉनिक बाइक, कार और बैटरी मेकेनिक बनने का क्रेज देखने को मिल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में रोजगार की बढ़ती संभावनाओं ने बेरोजगार युवाओं में भविष्य संवारने की ललक जगा दी है। यही वजह है कि लाइवलीवुड कॉलेज जोरा में सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक डिपार्टमेंट में प्रशिक्षण लेने सैंकड़ों युवा पहुंच रहे हैं। प्रदेश के युवा एक ओर हायर एजुकेशन के साथ बाद वोकेशनल कोर्सेज व डिप्लोमा सर्टिफिकेट से स्किल्ड बन भविष्य को संवार रहे हैं।

भविष्य संवारने बेरोजगार युवाओं में बढ़ी ललक इलेक्ट्रॉनिक बाइक-कार बनाने का सीख रहे हुनर

लाइवलीवुड कॉलेज में युवाओं में निशुल्क रोजगार कौशल प्रशिक्षण को लेकर बढ़ा रुझान

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण हर वर्ग के युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के लिए कौशल विकास योजना के तहत विभिन्न प्रकार के निशुल्क कार्यक्रम संचालित कर रहा हैं। इससे युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगार-उन्मुख बनाया जा रहा है। लाइवलीविड के प्रभारी आयुक्त शरदचंद्र शुक्ला ने बताया कि युवाओं की रुचि और बाजार की मांग के तहत विभिन्न सेक्टर्स में ट्रेनिंग दे रहे है ।2013 से अब तक सैंकड़ों युवाओं को प्रशिक्षण, प्रमाण पत्र और प्लेसमेंट कराया जा चुका है। इनमें कंप्यूटर और आईटी में ऑफिस ऑटोमेशन, डेटा एंट्री, तकनीकी ट्रेड में मोटर वाहन मरम्मत, इलेक्ट्रिकल, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, रिटेल में रिटेल सेल्स कोर्सेस शामिल हैं।

राजस्थान से भी प्रशिक्षण लेने पहुंच रहे युवा

इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल क्वालिटी कंट्रोल इंस्पेक्टर विभाग में राजस्थान से पहुंचे प्रशिक्षु युवा रोशन सिंह ने बताया कि 12वीं कक्षा के बाद इलेक्ट्रॉनिक बाइक, कार मेकेनिक का प्रशिक्षण लेने लाइवलीवुड कॉलेज पहुंचा। वहीं बालोद जिले से प्रशिक्षण प्राप्त करने आए चंद्रकांत साहू ने बताया कि वह बीए की शिक्षा प्राप्त किए हैं। इसके बाद लाइवलीवुड कॉलेज में अपनी हुनर को तराशने आए हैं। वह कॉलेज में इलेक्ट्रॉनिक बाइक, कार और बैटरी मरम्मत का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस तरह से युवाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करके भविष्य संवारने उत्साग नजर आ रहा है।

11 हजार से अधिक युवा बने आत्मनिर्भर

कॉलेज में 11 कोर्स संचालित हो रहे हैं। इनमें से प्रत्येक कोर्स की प्रशिक्षण अवधि दो महीने निर्धारित है। हर वर्ष लगभग 1000 से भी अधिक युवा इन कोर्सेस में प्रशिक्षित होकर प्लेसमेंट और स्वयं का व्यवसाय शुरु कर रहे हैं। कॉलेज से अब तक 11 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार का अवसर मिला है। इसे देखते हुए युवाओं में करियर संवारने को लेकर उत्साह भी बढ़ा है।

सर्टिफाइड मैकेनिक का प्रमाणपत्र और प्लेसमेंट

इलेक्ट्रॉनिक डिपार्टमेंट के प्रशिक्षक विक्रम सिंह ने बताया कि बेरोजगार युवा बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक बाइक, कार और बैटरी मेकेनिक का प्रशिक्षण ले रहे हैं। युवाओं में पिछले एक साल में इस सेक्टर में प्रशिक्षण लेने का रूझान बढ़ गया है। इस सत्र मे 100 से अधिक युवाओं ने प्रशिक्षण के लिए एडमिशन लिया है। यह प्रशिक्षण सत्र दो महीने का होता है। एक दिन में तीन बैच में इलेक्ट्रॉनिक बाइक, कार और बैटरी मेकेनिक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद सर्टिफिकेट और प्लेसमेंट से रोजगार प्रदान कराया जा रहा है।

सिटी इवेंट

मराठी नाटक 'आता थांबवायचं कसं' ने बयां की साइबर क्राइम-पीड़ित परिवार की दास्तां

रायपुर। डिजिटल युग में साइबर अपराध, ब्लैकमेलिंग और ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसी विषय पर महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में प्रसिद्ध मराठी नाटक 'आता थांबवायचं कसं' का मंचन किया गया। नाटक में साइबर अपराध के शिकंजे में फंसी लड़की और उसके परिवारों की पीड़ा-संघर्ष को दिखाया गया। एआई के जमाने में बढ़ रहे साइबर क्राइम के घातक परिणामों को यह नाटक समाज के सामने उजागर कर गया। नाटक की पात्र तन्वी की इस पीड़ा में परिवार और समाज के लोग साथ खड़े नजर आए, जो दर्शकों को इस बात के लिए प्रेरित करते दिखे कि समाज में ऐसा ही उदाहरण स्थापित करना होगा। मराठी सिने स्टार डॉ. गिरीश ओक, सुकन्या कुलकर्णी मोने, जान्हवी पणशीकर, आकाश पाटील, ऐश्वर्या शेटे ने अपने जीवंत अभिनय और दमदार संवादों से दर्शकों को आत्म मंथन के लिए झकझोरा। नाटक में बताने का प्रायास किया गया कि समाज किस दिशा में जा रहा है। कठिन परिस्थिति में हमारा क्या दायित्व होना चाहिए। मराठी नाटकों, धारावाहिक, टीवी सीरियल्स और फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता डॉ. गिरीश ओक और सुकन्या मोने ने नाटक में तन्वी के माता-पिता का किरदार निभाया। मध्यमवर्गीय परिवार की मानसिकता को तोड़ते हुए, दोषारोपण या डर के बजाय 'बेटी के अस्तित्व और उसके भविष्य' को प्राथमिकता दी।

महाराष्ट्र मंडल गणेशोत्सव में मुंबई के प्रसिद्ध मराठी नाटक का मंचन

कठिन समय में परिवार को एकजुट होने की सीख

इसमें साइबर उत्पीड़ित और उनके परिवारों को आत्मसम्मान के साथ खड़े होने के लिए 'पारिवारिक ढाल' और 'सामाजिक आत्मबल' प्रदान करता नजर आया। रंग निर्देशक आचार्य रंजन मोड़क ने बताया कि कोई भी नाटक कभी भी किसी समस्या का सीधा समाधान नहीं दे सकता, लेकिन वह दृष्टिकोण बदलने और जागरूकता फैलाने का काम निश्चित रूप से करता है। इस नाटक के माध्यम से कलाकारों ने साइबर अपराध के दुष्परिणाम दिखाते हुए ऐसे कठिन समय में परिवार को एकजुट होने की सीख दीं।

कलाकारों के अभिनय और निर्देशन ने जीता दिल

मराठी नाटक 'आता थांबवायचं कसं' का लेखन और दिग्दर्शन संदीप दंडवते ने किया। इसकी निर्माता समृद्धी तांबे, गंधाली कुलकर्णी, सुनंदा काळुसकर, प्रवीण भोसले और भरत नारायणदास ठक्कर है। नेपथ्य में संदेश बेंद्रे, पार्श्वसंगीत की कमान समीर म्हात्रे, प्रकाश योजना रत्नकांत जगताप, रंगभूषा राजेश परब, वेशभूषा अमृता काकतकर, गीतकार विघ्नेश जोशी ने संभाली। नाटक में सूत्रधार की भूमिका में दीपक गोडबोले नजर आए।

सौ से ज्यादा पंजीयन के बाद 30 प्रतिभागियों के बीच हुआ फाइनल मुकाबला, प्रतिभा और आत्मविश्वास ने बिखेरी चमक

आत्मविश्वास से रैंप वाक, निष्ठा बनीं पहली मिस दिव्यांग सुंदरी

रायपुर। दिव्यांग बेटियों ने पहली बार रैंप वॉक करते हुए अपनी नई पहचान बनाई। अंबुजा सिटी सेंटर मॉल में आयोजित मिस दिव्यांग सुंदरी छत्तीसगढ़ 2026 के पहले संस्करण में आकांक्षा स्कूल की निष्ठा गनवीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की पहली मिस दिव्यांग सुंदरी का खिताब अपने नाम किया। निष्ठा ने प्रतिभा, आत्मविश्वास और मंच पर प्रभावशाली प्रस्तुति से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। राधेय फिल्म्स एंड एंटरटेनमेंट हाउस और जेसीआई रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के लिए प्रदेशभर से 100 से अधिक पंजीयन प्राप्त हुए थे। चयन प्रक्रिया के बाद 30 प्रतिभागियों ने फाइनल मुकाबले में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल विजेता चुनना नहीं, बल्कि दिव्यांग बेटियों को ऐसा मंच देना था, जहां अपनी पहचान को पूरे आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने रख सकें। आयोजक युगल गौतम और दिव्या यादव ने कहा कि आयोजन की मूल सोच दिव्यांग बेटियों को उनकी सीमाओं से नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और क्षमता से पहचान दिलाना है।

प्रतिभा और आत्मविश्वास की दोहरी कसौटी

फाइनल मुकाबले में प्रतिभागियों ने टैलेंट और रैंप वॉक राउंड में कला, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का परिचय दिया। दोनों चरणों में प्रदर्शन के आधार पर निर्णायक मंडल ने विजेताओं का चयन किया। मुकाबला इतना कड़ा रहा कि अंतिम निर्णय तक पहुंचना निर्णायकों के लिए भी आसान नहीं था। निष्ठा गनवीर डाउन सिंड्रोम के साथ जीवन जी रही हैं। इसके बावजूद उन्होंने मंच पर जिस आत्मविश्वास और सहजता के साथ अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की, उसने प्रतियोगिता को एक अलग भाव दिया। उनके साथ सानिया सेन फर्स्ट रनरअप और सत्या श्रीवास्तव ने सेकंड रनरअप का खिताब हासिल किया। वी. मोनिका राव को मिस ब्यूटीफुल स्माइल और मानसी पांडे को मिस कॉन्फिडेंस चुना गया। प्रतियोगिता में शामिल अन्य प्रतिभागियों के उत्साह और प्रयासों को भी आयोजकों ने सम्मान दिया।

विश्व शांति और सुरक्षा में युवाओं की भूमिका अहम

रायपुर। डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व शांति दिवस का आयोजन किया गया। इसे कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ विश्व शांति के लिए शांति पाठ से किया गया। प्रतिकात्मक रुप से सफेद गुब्बारे उड़ा कर शांति का संदेश दिया गया। साथ ही छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग के माध्यम से शांति का संदेश दिया। आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार जोशी ने कहा कि मानव कल्याण के लिए विश्व शांति जरुरी है। विश्व शांति में भारत का योगदान मुख्य रूप से अहिंसा के प्राचीन दर्शन, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सबसे बड़े सैन्य योगदान और गुटनिरपेक्ष नीति पर आधारित है। भारत की संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् और महात्मा बुद्ध, महावीर व महात्मा गांधी के अहिंसा के संदेश पर टिकी है,जो वैश्विक भाव को बढ़ावा देती है। विश्व शांति और सुरक्षा में युवाओं की भूमिका अहम और परिवर्तनकारी है। युवा नई ऊर्जा, अनूठे विचारों और आधुनिक दृष्टिकोण के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विभाग द्वारा भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्राओं में नवाचार को भी बढ़ावा देने अकादमिक आयोजन किए जाते है।

कार्नर न्यूज

सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर अंजलि अरोड़ा पहुंचीं रायपुर

मुझे छत्तीसगढ़ी नहीं आती, लेकिन पूरी फिल्म को हिंदी के बाद छत्तीसगढ़ी में भी किया डब

रायपुर। सोशल मीडिया पर रील्स के जरिए मशहूर हुईं अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा सोमवार को अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म श्री रामायण कथा की टीम के साथ प्रमोशन के लिए रायपुर पहुंचीं। मैग्नेटो मॉल में आयोजित कार्यक्रम में अंजलि को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान अंजलि ने बताया कि फिल्म की करीब 60 प्रतिशत शूटिंग छत्तीसगढ़ में की गई है। आगे बताया कि मुझे छत्तीसगढ़ी भाषा नहीं आती, लेकिन पूरी फिल्म को हिंदी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी में भी डब किया गया है। फिल्म देखते समय दर्शक भाषा के स्तर पर जुड़ाव महसूस कर पाएंगे। रायपुर प्रवास के दौरान अंजलि ने श्रीराम मंदिर पहुंचकर भगवान का दर्शन प्राप्त किया।

सवाल पर टिप्पणी करने से बचती रहीं

मीडिया से बातचीत के दौरान जब अंजलि से पूछा गया कि माता सीता के किरदार को लोग किस तरह स्वीकार कर रहे हैं, तो वह इस सवाल पर टिप्पणी करने से बचती नजर आईं। बता दें कि सोशल मीडिया पर अंजलि को लेकर लगातार मीम्स भी बनाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर डांस रील्स के बाद माता सीता का किरदार निभाने को लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी देखने मिल रही हैं।

फिल्म में दिखेगी बस्तर की सुंदरता

फिल्म निर्माताओं का कहना है कि फिल्म के जरिए छत्तीसगढ़ की सुंदरता को बड़े पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया गया है। फिल्म में बस्तर में भगवान राम के वनवास समेत अन्य प्रसंगों को भी दिखाया गया है। फिल्म में एनीमेशन का इस्तेमाल किया गया है, जो नई पीढ़ी को रामायण से जोड़ने का प्रयास करेगा। फिल्म में देव शर्मा भगवान राम की भूमिका में और रजनीश दुग्गल लंकापति रावण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकारों को भी मौका दिया गया है। अंजलि अरोड़ा अभिनीत यह महाकाव्य फिल्म 'श्री रामायण कथा' 25 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी।

गणेशोत्सव

भाई एंड भाई गणेशोत्सत्व समिति यादव पारा, राजातालाब

मारुति हेरिटेज परिवार पचपेड़ी नाका

शिवालय गणेशोत्सव समिति काली नगर

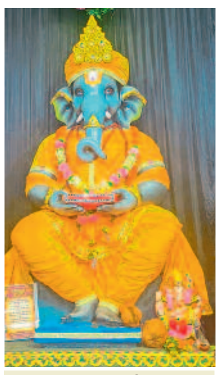

श्री श्री श्री बाल गणेश उत्सव समिति, नीमपारा उरकुरा

श्री रामवाड़ा गणेश उत्सव समिति फाफाडीह

सनातन चौक बसंत विहार कॉलोनी गेट नं. 1, गोंदवारा

शिव साईं राज गणेश उत्सव समिति, रामसागर पारा

नवदुर्गा गणेश उत्सव समिति बड़पारा, मठपुरैना

दंतेश्वरी किशोर समाज

श्रीराम हनुमान गणेशोत्सव समिति, सोनकर पारा

श्री श्रमजीवी गणेशोत्सव समिति, नंदी चौक

श्री शीतला नवयुवक गणेशोत्सव समिति, राधा बाई कॉलेज

श्री गणाध्यक्ष परिवार, बूढ़ापारा

डिग्री गर्ल्स और प्रेरणा स्कूल की छात्राओं ने साझा किए अनुभव, बताया- तकनीक आ रही काम

ब्रेल लिपि से दृष्टिबाधित बेटियों की शिक्षा आसान मोबाइल एप्स-ऑडियो रिकॉर्डिंग से बढ़ा भरोसा

आधुनिक तकनीक और ब्रेल लिपि का शिक्षा में समावेश होने से दृष्टिबाधित बेटियों की शिक्षा आसान और सुलभ हो गई है। प्रेरणा स्कूल और डिग्री गर्ल्स कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करने वाली बेटियों ने बताया कि पहले की अपेक्षा अब आधुनिक तकनीक से पढ़ाई में मदद मिल रही है। इससे सिलेबस और डिजिटल पाठ्यक्रम से जुड़ने का अवसर भी मोबाइल ऐप्स, 'एनी' जैसे स्मार्ट गैजेट्स और वॉयस-टू-टेक्स्ट टूल्स के उपयोग ने आत्मविश्वास बढ़ाया है। आधुनिक तकनीक से न केवल स्वतंत्र रूप से पढ़ और लिख रहे, बल्कि खुद पर भरोसा भी बढ़ा है।

रायपुर। इन दिनों शिक्षा की एक नई और आधुनिक तस्वीर देखने को मिल रही है। कभी सिर्फ कागजी ब्रेल लिपि तक सीमित रहने वाले दृष्टिबाधित छात्र-छात्राएं अब एडवांस्ड मोबाइल ऐप्स, ऑडियो गाइडेंस और स्मार्ट डिजिटल गैजेट्स के सहारे मुख्यधारा की शिक्षा और अपने सिलेबस से जुड़ रहे हैं। शिक्षा में तकनीक का समावेश होने से पढ़ाई को न केवल आसान बल्कि बेहद दिलचस्प बना दिया है। कहना है डिग्री गर्ल्स कॉलेज में एमए की शिक्षा प्राप्त कर रही डिगेश्वरी राकेश का। उन्होंने बताया कि 'एनी' स्मार्ट डिवाइस, मोबाइल ऐप्स शिक्षा में मददगार बन रहे हैं। क्लास रूम में आडियों रिकॉर्डिंग करके उसे सुनकर भी सिलेबस के अनुरुप तैयारी में मदद मिलती है। कॉलेज में दृष्टिबाधित समिति की इंचार्ज एवं भूगोल विभाग की एचओडी डॉ. शीला श्रीधर ने बताया कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शिक्षा में ब्रेल स्लेट और स्टाइलस स्टैब्स पेन और कागज की तरह बुनियादी उपकरण हैं। इससे कागज पर बिंदुओं को उभारकर ब्रेल अक्षर लिखे जाते हैं।

एक्सपर्ट के अनुसार डिजिटल शिक्षा के फायदे

आत्मनिर्भरता में वृद्धि इसलिए हो रही क्योंकि बिना किसी मानवीय सहायता के खुद बोलकर और स्पर्श के जरिए अक्षरों व गणितीय कोड्स को दृष्टिबाधित विद्यार्थी सीख रहे हैं। मोबाइल ऐप्स की मदद से किताबें और सिलेबस उपलब्ध है। टीचर-स्टूडेंट को जोड़ने में उपयोगी हो रहे हैं। प्रेरणा विद्यालय के शिक्षकों का कहना है कि दृष्टिबाधित होना कोई अभिशाप नहीं, और आज नई तकनीक ने यह साबित कर दिया है। गैजेट्स और मोबाइल ऐप्स के उपयोग से बच्चे सामान्य बच्चों की तरह कठिन विषयों को आसानी से समझ रहे हैं।

सिलेबस और परीक्षाओं से जुड़ना आसान

स्कूल प्रबंधन और सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों से छात्राओं को अब उनका पूरा सिलेबस डिजिटल फॉर्मेट और ऑडियो बुक्स के रूप में उपलब्ध हो रहा है। इससे बच्चों की दूसरों पर निर्भरता कम हुई है। परीक्षाओं के समय भी जहां इन्हें स्क्राइबर्स की मदद मिलती है, वहीं अब तकनीक के माध्यम से खुद भी नोट्स तैयार करने में सक्षम हो रही हैं। एमए अंतिम वर्ष की छात्रा पूजा साहू ने बताया कि स्मार्ट स्कैन छड़ी से लेकर गणित सीखने के लिए ब्रेल लिपि में सामग्री मिलने लगी हैं। आत्मनिर्भरता बढ़ने से खुद पर भरोसा भी बढ़ता है। उन्होंने बताया कि मोबाइल ऐप्स और क्लास रूम में ऑडियो रिकार्डिंग से सिलेबस को सुनकर याद करने में भी मदद मिलती है।

अभ्यास बढ़ने से पढ़ाई में मदद भी मिल रही

डॉ.श्रीधर ने बताया कि ब्रेल स्लेट और स्टाइलस से लिखते समय अक्षरों की बनावट सामान्य पठन से पूरी तरह उलट यानी 'मिरर इमेज' होती है। इसका उपयोग और अभ्यास बढ़ने से पढ़ाई में मदद मिल रही है। इससे छात्राओं का आत्मविश्वास भी पहले की अपेक्षा बढ़ा है।वहीं प्रेरणा विद्यालय की वार्डन भागवती ने बताया कि छात्राओं के लिए विशेष रूप से 'एनी' जैसे स्मार्ट लर्निंग टूल का उपयोग किया जा रहा है। यह दुनिया का पहला ऐसा सेल्फ-लर्निंग गैजेट है जो खेल-खेल में और ऑडियो निर्देशों के जरिए बच्चों को ब्रेल लिपि पढ़ना और लिखना, टाइप करना सिखाता है। अभी छात्राएं स्मार्ट फोन पर विभिन्न ब्रेल कीबोर्ड ऐप्स और स्क्रीन रीडर्स का उपयोग कर आसानी से डिजिटल कंटेंट एक्सेस कर रही हैं।

ऑरेंज परिधान में सोलह श्रृंगार कर सजीं तीज मिलन में खेले मनोरंजक गेम्स

रायपुर। छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण महिला मंडल सुंदर नगर की ओर से होटल श्रीजी इन में तीज मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंडल की करीब 30 सदस्य ऑरेंज रंग के परिधान में सोलह श्रृंगार कर पहुंचीं। कार्यक्रम आभा तिवारी और मंडल की अध्यक्ष डॉ. संध्या शिवेंद्र तिवारी के सौजन्य से आयोजित किया गया। तीज मनाकर मायके से लौटीं महिलाओं ने कार्यक्रम में जमकर उत्साह और उमंग के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत आभा तिवारी ने सभी सदस्यों को तिलक लगाकर स्वागत के साथ की। इसके बाद महिलाओं ने डांस कर कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना दिया। तीज उत्सव के दौरान विभिन्न मनोरंजक गेम भी आयोजित किए गए।तीजा गेम में सविता शर्मा प्रथम, नीलम शर्मा द्वितीय और दुर्गा उपाध्याय तृतीय रहीं। वहीं मंथली गेम में पुष्पा शुक्ला प्रथम, सविता पांडेय द्वितीय और संध्या पांडेय तृतीय रहीं।कार्यक्रम में साधना दुबे, संध्या पांडेय, विजयलक्ष्मी शर्मा, अर्चना तिवारी, अजिता शर्मा, मीरा दुबे, सुषमा तिवारी, भारती शर्मा, रतना तिवारी, आशा दुबे, सुनीता शर्मा, दुर्गा उपाध्याय, शशि दीवान, प्रियंका शर्मा, शशि तिवारी, सुनीता मिश्रा, दुलारी शर्मा, सुमन मिश्रा, सविता शर्मा, श्यामा चौबे, अनामिका, नीलम शर्मा, अलका दीवान और संध्या तिवारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

लकी गेम में सविता पांडेय ने मारी बाजी

कार्यक्रम में लकी गेम भी रखा गया। इसमें हाउजी के नंबर आंख बंद करके निकाले गए और जिसके पास सबसे बड़ा नंबर आया, उसे प्रथम पुरस्कार दिया गया। इस गेम में सविता पांडेय के पास सबसे बड़ा नंबर 90 आया। अध्यक्ष संध्या तिवारी और आभा तिवारी ने उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया।इसके अलावा महिलाओं के लिए कई अन्य मनोरंजक लकी गेम भी कराए गए। एक गेम में सभी से अपने पर्स से पति की फोटो निकालने के लिए कहा गया, लेकिन किसी के पर्स में फोटो नहीं मिली। इसके बाद पांच रुपये का नोट निकालने का गेम कराया गया। इसमें भी किसी के पास पांच रुपये का नोट नहीं मिला। ऐसे ही कई मनोरंजक खेलों के जरिए महिलाओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया।

आध्यात्मिकता के साथ आत्म परिवर्तन से नवनिर्माण संभव

रायपुर। महिला प्रभाग द्वारा महिला उत्थान आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय ने किया। विषय था 'विश्व नवनिर्माण में महिलाओं की भूमिका'। इसमें देशभर से आई वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनों के साथ ही समाजसेवी एवं प्रबुद्घ महिलाएं शामिल रहीं। ब्रह्माकुमारीज़ महिला प्रभाग की अध्यक्ष एवं रूस स्थित सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी चक्रधारी दीदी ने कहा कि केवल भौतिक साधनों से सच्चा सुख और शांति प्राप्त नहीं हो सकती। जब मनुष्य देहभान से मुक्त होकर स्वयं को शांत व पवित्र आत्मा अनुभव करेगा तभी दिव्य संस्कारों वाले श्रेष्ठ समाज का पुनर्निर्माण संभव होगा। स्पष्ट किया कि परमपिता परमात्मा ने विश्व परिवर्तन का काम करने के लिए ज्ञान का कलश माताओं और बहनों को सौंपा है। रूस जैसे साम्यवादी देश में सनातन धर्म का प्रसार करना आसान नहीं था।

डॉ. द्विवेदी को मिला 'कृषि रत्न सम्मान'

रायपुर। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था के स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह के अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एवं उद्यानशास्त्री स्व. डॉ. मणिशंकर शर्मा की स्मृति में प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला प्रतिष्ठित 'कृषि रत्न सम्मान–2026' इस वर्ष इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक डॉ. संजय के. द्विवेदी को दिया गया। यह सम्मान उन्हें कृषि शिक्षा, अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार तथा किसान हित में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. द्विवेदी ने शस्य विज्ञान के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक समय से शोध एवं अध्यापन के साथ किसानों तक वैज्ञानिक तकनीकों को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि उपज मंडी देवेन्द्र नगर मैदान में श्रोताओं के बीच इन्द्रेश महाराज ने शुरू की श्रीमद भागवत कथा

यजमानों संग पीले परिधान में सिर पर कलश धारण कर यात्रा में शामिल हुईं 5 हजार भक्त महिलाएं

कार्नर न्यूज

रायपुर। श्रीमद् भागवत कथा से पहले सोमवार को सुबह 10 बजे के बाद भव्य मंगल कलश यात्रा का शुभारंभ श्रीराम जानकी मंदिर कृषि उपज मंडी के सामने देवेन्द्र नगर से किया गया। जो मंडी मार्ग से होते हुए कथा स्थल पहुंची। आयोजन समिति की व्यवस्था 2100 महिलाओं की कलश यात्रा निकालने की व्यवस्था रही। लेकिन श्रद्दालुओं का उत्साह इतना था कि 5 हजार से अधिक महिलाएं कलश यात्रा में शामिल रही। कलशधारी सभी महिलाएं पीली रंग के परिधान में थी। भागवत पुराण सिर पर धारण करत यजमान परिवार आगे-चल रहे थे। भक्ति उद्घोष के साथ जयकारा लगाते हुए भक्तों का समुह आगे बढ़ा. तो रास्ते में पुष्प वर्षा से माहौल भक्तिमय बना। वहीं कथा के पहले दिन श्री इन्द्रेश जी महाराज ने व्यासपीठ पर विराजते ही कथा स्थल कृषि उपज मंडी देवेन्द्र नगर मैदान में श्रोताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि रायपुर आकर महसूस हुआ कि छत्तीसगढ़िया-सबले बढ़िया। कथा श्रवण करने में इसी उत्साह की प्रधानता है।

सत्य, चैतन्य और आनंद का श्रोताओं के बीच वर्णन

महाराज ने आगे कहा कि भगवान का नाम लेते हैं तो और ज्यादा उत्साह आ जाता है। यह नित दिन बढ़ेगा और देखना कथा विश्राम दिवस तक ऐसा लगेगा कि कथा खत्म न हो और चलती रहे। श्रीमद् भागवत कथा के महात्म्य की चर्चा करते हुए महाराज ने कहा कि भगवान के तीन रुप है सत्य, चैतन्य व आनंद, इसी का वर्णन किया है। जो कर रहे हैं या करेंगे उसी में हमारा भला है, स्वीकार कीजिए। मेंरे साथ जो हो रहा है वही सत्य है। जीवन में प्रयास तो बहुत किया पर नियति ने कुछ और कर दिया। प्राप्त-अप्राप्त में न जाइए। उनके प्रति समर्पण रखिए। लेकिन होता क्या है, हम ठाकुर जी को जाकर बताते हैं कि यह करो-वो करो। इसलिए कि संसार की माया आकृष्ट कर लेती है।

तीसरा रूप आनंद स्वरूप में स्वतः आ जाएगा

दूसरा रूप है चैतन्य, ना तो वह अष्टधातु हैं, न सोना-चांदी या किसी अन्य धातु के। प्रभु मूर्ति नहीं वो चैतन्य हैं। वह सब क्रिया करते हैं, जड़ नहीं हैं। जो जड़ बुद्धि रखता है ठाकुर जी उसको जड़ समझते हैं। चैतन्य बुद्धि नहीं है तभी तो गणपति जी का विसर्जन नहीं करते हैं उसे फेंक देते हैं, यही तो है जड़ बुद्धि। यदि सत्य व चैतन्य को जान गए तो तीसरा रूप आनंद वैसे ही आ जाएगा। लेकिन इतना भी जान लें कि सुख और आनंद में अंतर है। सुख सांसारिक वस्तु से मिलता है, जो एक लिमिट के बाद दुख देने लगता है। आनंद मिलेगा कथा में आने से प्रभु के दर्शन करने से। ठाकुर जी के प्रति प्रेम, भाव, सम्मान, भक्ति रखो। वही खिला रहे हैं,वहीं पिला रहे और वही चला रहे हैं यही भगवान का आनंद रूप है।

सिटी स्पोर्ट्स

सूर्य-बुध का शुभ योग! पितृपक्ष शुरू होने तक तीन राशियों को होगा धन लाभ

आगामी 26 सितंबर तक कन्या राशि में बुधादित्य राजयोग रहने वाला है। 26 सितंबर को पितृपक्ष के पहले दिन जब बुध कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में गोचर करेंगे, तब बुधादित्य राजयोग समाप्त होगा। उससे यह शुभ योग तीन राशि के जातकों को जबरदस्त लाभ देने वाला है। ज्योतिषविदों का कहना है कि श्राद्ध पक्ष आरंभ होने से पूर्व बुध-सूर्य की जोड़ी तीन राशियों को करियर, कारोबार और आर्थिक मोर्चे पर खूब लाभ देने वाली है।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों के लिए बुधादित्य राजयोग कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने वाला हो सकता है। इस दौरान आत्मविश्वास में वृद्धि होने तथा वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। वहीं व्यापार करने वाले जातकों के लिए नई रणनीति तैयार करने का समय बेहतर रह सकता है। इससे आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

कन्या राशि : कन्या राशि वालों के लिए यह ग्रह संयोग करियर के लिहाज से लाभकारी साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आपकी मेहनत और कार्यकुशलता को पहचान मिलने के योग हैं। लंबे समय से रुके हुए काम दोबारा गति पकड़ सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ आय के अतिरिक्त साधन तलाशने में भी सफलता मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वालों के लिए बुधादित्य योग करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खोल सकता है। वरिष्ठ लोगों का मार्गदर्शन से मेहनत का उचित परिणाम मिलने के भी योग हैं। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं। पुराने निवेश, रुका हुआ भुगतान या आय के अतिरिक्त स्रोत से लाभ मिल सकता है। हालांकि बड़े आर्थिक फैसले लेते समय सावधानी बरतना उचित रहेगा।

3 अक्टूबर को शुक्र अस्त, तीन राशियां 42 दिन सुख-सुविधाओं से रहेंगी भरपूर

शुक्र 3 अक्टूबर को तुला राशि में वक्री होंगे और करीब 42 दिनों तक इसी अवस्था में रहेंगे। इस दौरान मालव्य पंचमहापुरुष राजयोग और लक्ष्मी नारायण योग का प्रभाव भी रहेगा। मेष, मिथुन और कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र का वक्री होना सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। शुक्र की उल्टी चाल इन तीन राशियों को करियर, कारोबार और आर्थिक मोर्चे पर जबरदस्त लाभ दे सकती है।

मेष राशि : मेष राशि वालों पर इसका असर रिश्तों और साझेदारी से जुड़े मामलों पर देखने को मिल सकता है। रिश्तों में नया और खूबसूरत बदलाव आ सकता है। कारोबार करने वालों को मुनाफा मिलने के योग बन सकते हैं। बिजनेस को लेकर नए आइडिया आएंगे और मार्केट में अपनी पहचान बनाने में सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य के लिहाज से भी समय अनुकूल दिखाई दे रहा है।

मिथुन राशि : मिथुन राशि वालों के लिए भी शुक्र का वक्री होना फायदेमंद हो सकता है। इसका असर जातकों के आत्मविश्वास, साहस और पराक्रम पर पड़ सकता है। डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन या स्टॉक मार्केट से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ के मौके मिल सकते हैं। धन की स्थिति में सुधार आता दिखाई देगा। पुराने कर्ज या उधार से मुक्त हो सकते हैं।

कर्क राशि : कर्क राशि वालों के लिए शुक्र चौथे भाव में वक्री होंगे और इसी भाव में मालव्य राजयोग का निर्माण करेंगे। इस दौरान मानसिक शांति मिल सकती है और समाज में मान-सम्मान बढ़ने के योग बन सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा और घर में खुशियों का माहौल बना रह सकता है। किसी पुराने वाद-विवाद या कोर्ट-कचहरी के मामले में राहत मिलने के संकेत हैं।

बाजार में कई ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनमें मिलावट की संभावना अधिक

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन, आसान तरीकों से जानें सामान में मिलावट

खाद्य मिलावट एक गंभीर समस्या है, जो हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। बाजार में कई ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जिनमें मिलावट की संभावना अधिक होती है। इस लेख में हम आपको उन खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जो आमतौर पर रसोई में होते हैं और जिनमें मिलावट होने की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा हम आपको मिलावट की पहचान करने के तरीके भी बताएंगे, ताकि आप सुरक्षित और स्वस्थ भोजन कर सकें।

चायपत्ती में मिलावट सबसे बड़ी समस्या

चायपत्ती में मिलावट भी एक बड़ी समस्या बन चुकी है। इसमें नकली रंग मिलाया जाता है, जो चाय को गहरा रंग देता है और असली चायपत्ती की तरह दिखता है। इसके अलावा चायपत्ती में नकली स्वाद भी मिलाया जा सकता है, जिससे इसका स्वाद बदल जाता है। मिलावट की पहचान के लिए चायपत्ती को पानी में मिलाकर देखें। इसके अलावा आप इसकी सुगंध और बनावट से भी पहचान कर सकते हैं।

दूध में यूरिया व पानी की मिलावट

दूध में मिलावट सबसे आम है। इसमें पानी मिलाने के अलावा कुछ लोग दूध में यूरिया या सोडियम फॉर्मेल्डिहाइड जैसे हानिकारक रसायनों की भी मिलावट कर देते हैं। इन रसायनों के सेवन से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। मिलावट की पहचान के लिए दूध की कुछ बूंदें कागज पर डालें। अगर दूध सूख जाए तो यह असली है, लेकिन अगर दाग छोड़ दे तो समझ जाइए कि दूध मिलावटी है।

हल्दी में मिलाते हैं हानिकारक रसायन

हल्दी का इस्तेमाल सिर्फ खाने में ही नहीं, बल्कि औषधि के रूप में भी किया जाता है। हालांकि, कई लोग हल्दी में मिलावट कर देते हैं। इसमें पोटेशियम ब्रोमेट या मेलेटोनिन जैसे हानिकारक रसायनों की मिलावट की जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके अलावा हल्दी में नकली रंग भी मिलाया जा सकता है, जो रंगीन दिखाने के लिए किया जाता है। मिलावट की पहचान के लिए हल्दी को पानी में मिलाकर देखें।

अरंडी का तेल

अरंडी के तेल का इस्तेमाल कई औषधीय गुणों के लिए किया जाता है, लेकिन इसमें भी मिलावट की संभावना रहती है। इसमें खनिज तेल जैसे हानिकारक रसायनों की मिलावट की जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके अलावा अरंडी के तेल में नकली रंग भी मिलाया जा सकता है, जिससे इसका रंग बदल जाता है। मिलावट की पहचान के लिए अरंडी के तेल को हाथ पर लगाकर देखें।

शहद की शुद्धता पानी में जांचें

शहद एक प्राकृतिक मिठास है, जिसका उपयोग कई स्वास्थ्य लाभों के लिए किया जाता है। हालांकि, इसमें भी मिलावट की संभावना रहती है। इसमें चीनी या ग्लूकोज जैसे हानिकारक रसायनों की मिलावट की जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके अलावा शहद में नकली स्वाद भी मिलाया जा सकता है, जिससे इसका स्वाद बदल जाता है। मिलावट की पहचान के लिए शहद को पानी में मिलाकर देखें।

रोटी को कुछ सरल तरीकों से बनाया जा सकता है और भी ज्यादा प्रोटीनयुक्त

रोटी भारतीय खान-पान का अहम हिस्सा है और इसे हर घर में बनाया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि रोटी को कुछ सरल तरीकों से प्रोटीन युक्त बनाया जा सकता है। जी हां, यह आसानी से संभव है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी रोटी में प्राकृतिक रूप से प्रोटीन बढ़ा सकते हैं, जिससे यह और भी पौष्टिक हो जाएगी।

दाल मिलाएं : दाल का आटा रोटी में मिलाने से उसमें प्रोटीन की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। आप मूंग, मसूर या अरहर की दाल का आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। इन दालों का आटा रोटी में मिलाने से न केवल प्रोटीन बढ़ता है, बल्कि इसका स्वाद भी बढ़ जाता है। इससे आपकी रोटी और भी सेहतमंद और स्वादिष्ट बनती है। आप चाहें तो दाल के आटे की जगह पर रोटी में दाल भरकर भी खा सकते हैं।

सोयाबीन का आटा मिलाएं : सोयाबीन का आटा भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जिसे आप अपनी रोटी में मिला सकते हैं। यह आपकी रोटी को अधिक सेहतमंद बना सकता है और इसमें प्रोटीन की मात्रा बढ़ा सकता है। सोयाबीन का आटा मिलाने से रोटी का स्वाद भी बदल जाता है और यह अधिक फायदेमंद हो जाती है। इससे आपकी रोटी में प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है, जो आपके शरीर को ताकत देती है और आपको स्वस्थ रखती है।

चने का आटा मिलाएं: चना का आटा भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जिसे आप अपनी रोटी में मिला सकते हैं। चने का आटा मिलाने से रोटी का पोषण स्तर बढ़ता है और यह अधिक फायदेमंद हो जाती है। चने का आटा मिलाने से रोटी का स्वाद भी बदल जाता है और यह अधिक सेहतमंद बन जाती है। इससे आपकी रोटी में प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है, जो आपके शरीर को ताकत देती है और आपको स्वस्थ रखती है।

बादाम या अखरोट का पाउडर मिलाएं : बादाम या अखरोट का पाउडर मिलाने से आपकी रोटी में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। इन सूखे मेवों का पाउडर रोटी में मिलाने से न केवल इसका पोषण स्तर बढ़ता है, बल्कि यह और भी स्वादिष्ट बन जाती है। बादाम या अखरोट का पाउडर मिलाने से रोटी में जरूरी वसा भी शामिल हो जाती है, जो आपके शरीर को ताकत देती है और आपको स्वस्थ बनाए रखती है।

सूखे मेवों को नरम होने से बचाने के लिए अपनाएं ये तरीके, बरकरार रहेगी ताजगी

सूखे मेवे कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन अगर इन्हें ठीक से स्टोर न किया जाए तो ये जल्दी ही नरम हो सकते हैं। नरम सूखे मेवे न केवल खाने में स्वादिष्ट नहीं लगते, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने सूखे मेवों को लंबे समय तक ताजा और कुरकुरा रख सकते हैं।

हवा बंद डिब्बे में रखें : सूखे मेवों को हवा बंद डिब्बे में रखना सबसे अच्छा तरीका है। इससे हवा और नमी अंदर नहीं जाएगी, जिससे सूखे मेवे लंबे समय तक ताजे रहेंगे। हवा बंद डिब्बे में रखने से सूखे मेवों की कुरकुराहट भी बनी रहती है और वे नरम नहीं होते। इस तरीके से आप अपने सूखे मेवों को किसी भी मौसम में ताजा और सुरक्षित रख सकते हैं। यह तरीका न केवल सुविधाजनक है, बल्कि सस्ता भी है।

ठंडी और सूखी जगह पर रखें : सूखे मेवों को ठंडी और सूखी जगह पर रखना बहुत जरूरी है। गर्म और नम माहौल में सूखे मेवों की गुणवत्ता खराब हो सकती है। इसलिए, उन्हें फ्रिज या किसी ठंडी जगह पर रखें। इससे न केवल वे नरम होने से बचेंगे, बल्कि उनकी ताजगी भी बनी रहेगी। ठंडी जगह पर रखने से सूखे मेवों की कुरकुराहट भी बनी रहती है और वे लंबे समय तक ताजे रहेंगे। इस प्रकार आप अपने सूखे मेवों को सुरक्षित रख सकते हैं।

छोटे पैकेट खरीदें : बड़ी मात्रा में सूखे मेवे खरीदने के बजाय छोटे पैकेट में खरीदना बेहतर होता है। इससे आप हर बार ताजा पैकेट खोल सकते हैं और पुराने सूखे मेवे खराब होने की संभावना कम होती है। छोटे पैकेट में खरीदने से आप आसानी से अपनी जरूरत के अनुसार मात्रा ले सकते हैं और स्टोरेज की समस्या से बच सकते हैं। इससे न केवल आपका समय बचता है, बल्कि सूखे मेवों की गुणवत्ता भी बनी रहती है।

धूप से बचाएं : धूप सूखे मेवों के लिए खराब हो सकती है, क्योंकि इससे वे जल्दी ही खराब हो सकते हैं या उनकी गुणवत्ता बिगड़ सकती है। इसलिए, सूखे मेवों को धूप वाली जगहों से दूर रखें। बेहतर होगा कि आप उन्हें किसी अंधेरी अलमारी या दराज में रखें, जहां धूप न पहुंचे। इससे न केवल सूखे मेवों की ताजगी बनी रहती है, बल्कि उनकी कुरकुराहट भी बरकरार रहती है। इस तरह आप अपने सूखे मेवों को सुरक्षित रख सकते हैं।

बिस्तर पर करवटें बदलने की आदत नींद की गुणवत्ता को कर सकती है प्रभावित

बिस्तर पर करवटें बदलना एक सामान्य आदत हो सकती है, लेकिन यह नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। इस आदत को छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन कुछ तरीके अपनाकर आप इसे सुधार सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे असरदार सुझाव देंगे, जिनसे आप बिस्तर पर करवटें बदलने की आदत को छोड़ सकते हैं और बेहतर नींद ले सकते हैं। इससे बार-बार नींद खराब होने की परेशानी भी हल होगी।

सही गद्दा चुनें : आपके गद्दे का चयन आपकी नींद पर बड़ा असर डाल सकता है। एक ऐसा गद्दा चुनें, जो आपके शरीर के आकार और वजन के अनुसार हो। इससे आपकी रीढ़ की हड्डी सही स्थिति में रहेगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा गद्दे की मोटाई और मुलायम बनावट भी महत्वपूर्ण होती है। सही गद्दा न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपकी नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

सही तकिया लगाएं : तकिये का सही चयन भी बहुत अहम होता है। ऐसा तकिया चुनें, जो आपकी गर्दन और सिर को सही सहारा दे सके। इससे आपकी रीढ़ की हड्डी सीधी रहेगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा तकिये की ऊंचाई और मुलायम बनावट भी महत्वपूर्ण होती है। सही तकिया न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपकी नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है और आपको सुबह तरोताजा महसूस होता है।

सोने का समय तय करें : हर दिन एक ही समय पर सोना और उठना आपकी नींद की आदत को स्थिर बना सकता है। इससे आपका शरीर एक निश्चित समय पर सोने और जागने के लिए तैयार हो जाएगा, जिससे आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नियमित समय पर सोने से आपकी आंतरिक घड़ी संतुलित रहती है और आप बेहतर नींद ले सकते हैं। इसके अलावा यह आदत आपके शरीर को आराम और तरोताजा महसूस कराती है।

सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग कम करें

सोने से पहले मोबाइल फोन, टैबलेट या टीवी देखने से बचें, क्योंकि इनकी रोशनी आपकी नींद को प्रभावित कर सकती है। इसके बजाय किताब पढ़ें या ध्यान करें, ताकि आपका मन शांत हो जाए और आप आसानी से सो सकें। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नियमित रूप से यह आदत अपनाने से आपकी नींद में सुधार आएगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

मानसिक शांति बनाए रखें : सोने से पहले मानसिक शांति बहुत जरूरी होती है। गहरी सांस लें, ध्यान लगाएं या हल्की स्ट्रेचिंग करें, ताकि आपका मन शांत हो सके और आप आसानी से सो सकें। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होगी और आपको करवटें बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी।नियमित रूप से यह अभ्यास करने से आपकी नींद में सुधार आएगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। मानसिक शांति बनाए रखने से आपकी नींद में सुधार आएगा।

गर्भवती महिलाओं की डाइट का शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ता है असर, ये चीजें न खाएं

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपनी खान-पान की चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव न केवल उन पर, बल्कि गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को ऐसी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए, जिनमें अधिक मात्रा में चीनी, चाय-कॉफी और चर्बी होती है, क्योंकि इनसे बच्चे का वजन प्रभावित हो सकता है। आइए जानते हैं कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को किन खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए।

चाय-कॉफी और ठंडे पेय से बनाएं दूरी- गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को चाय-कॉफी और ठंडे पेय से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। इससे हमारा मतलब है कि गर्भवती महिलाओं को चाय, कॉफी और ठंडे पेय जैसी चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए। इन चीजों में कैफीन की मात्रा अधिक होती है। इससे बच्चे का वजन प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा अधिक कैफीन का सेवन करने से गर्भवती महिलाओं को नींद न आना, चिंता और बेचैनी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिजनेस साइट

रायपुर में पाटनी टोयोटा ने शुरू किया टी-ड्राइव, सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने पाटनी टोयोटा के साथ साझेदारी में रायपुर में अपने संरचित मोटर वाहन प्रशिक्षण कार्यक्रम टी-ड्राइव का शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ में पहली बार शुरू हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देना है। उद्घाटन समारोह में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर तदाशी असाजुमा, वाइस प्रेसिडेंट-ईस्ट रीजन सचिन शर्मा सहित पाटनी टोयोटा के डीलरशिप प्रतिनिधि और सामुदायिक हितधारक मौजूद रहे। टी-ड्राइव के तहत प्रतिभागियों को कक्षा प्रशिक्षण, उन्नत ड्राइविंग सिम्युलेटर और प्रशिक्षक की निगरानी में ऑन-रोड ड्राइविंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। पाटनी टोयोटा स्थित यह सुविधा छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय मोटर वाहन प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करेगी। टोयोटा के 'जीरो रोड फैटेलिटीस' विजन के अनुरूप यह पहल सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक की 32वीं वार्षिक आमसभा

रायपुर। लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्या. रायपुर की 32वीं वार्षिक आमसभा मिलेनियम प्लाजा कॉम्पलेक्स स्थित बैंक परिसर में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष सत्यबाला अग्रवाल एवं संचालक मंडल के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्ष सत्यबाला अग्रवाल ने बैंक की स्थापना से जुड़ी चुनौतियों और 32 वर्ष की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि सफलता के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। वर्ष 1994 में 15 लाख रुपये की पूंजी से स्थापित बैंक आज करीब 16,500 सदस्यों तक पहुंच चुका है। प्रभारी सीईओ राहुल कुमार जैन ने बैंक की वित्तीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि 31 मार्च 2026 तक अंश पूंजी 489.46 लाख, जमा 13,343.36 लाख, ऋण एवं अग्रिम 7,722.30 लाख तथा शुद्ध लाभ 35.07 लाख रुपये रहा। बैंक का सीआरएआर 25.11 प्रतिशत दर्ज किया गया। आमसभा में संचालक मंडल, अधिकारी-कर्मचारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

94 डॉलर में बेची थी पहली कहानी, फिर रच डाली गेम ऑफ थ्रोन्स की दुनिया

दुनिया की सबसे लोकप्रिय वेब सीरीज के बारे में बात की जाए तो उसका नाम गेम ऑफ थ्रोन्स है। 8 सीजन और 73 एपिसोड वाले इस काल्पनिक कहानी वाली शो के रचियता जॉर्ज रेमंड रिचर्ड मार्टिन हैं। कभी 94 डॉलर्स के लिए अपनी कहानियां बेचने वाले जॉर्ज आर. आर. मार्टिन ने किस तरह से अपनी कलम से गेम ऑफ थ्रोन्स की दुनिया को रचा। 20 सितंबर, 1948 को जॉर्ज आर. आर. मार्टिन का जन्म बेयोन, न्यू जर्सी, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक रहने वाले एक गरीब परिवार में हुआ था। उस वक्त किसी को ये मालूम नहीं था कि आने वाले समय में जॉर्ज अपने हुनर के दम पर फैमिली का नाम पूरी दुनिया में रोशन करेंगे। बचपन से ही जॉर्ज को कहानियां लिखने और सुनने का शोक रहा और जैसे वह बड़े होने लगे, उनका शौक धीरे-धीरे पेशवर बनने की राह पर चल पड़ा। बात की जाए जॉर्ज आर. आर. मार्टिन की ऐजुकेशन डिटेल्स के बारे में तो उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी मेडिल स्कूल ऑफ जर्नलिज्म से 1970 में पत्रकारिता में बीएस और 1971 में एमएस की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में ही मार्टिन ने अपनी कहानियां पत्रिकाओं में भेजना शुरू कर दिया था। इतना ही नहीं मार्टिन अपने बचपन में न्यू जर्सी में वह पड़ोस के बच्चों के लिए राक्षसों की छोटी-छोटी कहानियां लिखते थे। इसके बदले वह हर कहानी के बदले पांच सेंट लेते थे।

टॉलीवुड

मैसा के टीजर में दमदार एक्शन करती नजर आईं रश्मिका

रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैसा' का टीजर रिलीज हो चुका है। इसमें रश्मिका अब तक के अपने सबसे अलग और अनदेखे अवतार में नजर आ रही हैं। इसकी कहानी पिता-बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म के टीजर में रश्मिका कई दुश्मनों से जूझते हुए अपने पिता को ढूंढने में जुटी हुई हैं। वो कभी कीचड़, कभी जंगल तो कभी पानी के अंदर दुश्मनों से भिड़ती नजर आ रही हैं। इस फिल्म में रश्मिका रफ एंड टफ और गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं। यह पहली बार है जब वो किसी हार्ड-कोर एक्शन रोल में नजर आएंगी। सीता रामम के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। यह एक्शन ड्रामा 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। टीजर में रश्मिका एक उग्र, रफ-टफ और गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जिसे दर्शकों ने इससे पहले कभी नहीं देखा। हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर यह झलक फिल्म की मूल कहानी की ओर भी इशारा करती है। यह एक एक शक्तिशाली पिता-बेटी के रिश्ते की कहानी। 'मायसा' पिता-बेटी के रिश्ते को एक नए अंदाज में पेश करती है, जहां भावनाओं, एक्शन और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए दृश्यों का शानदार मेल देखने को मिलेगा। सीता रामम में अपने प्रशंसित काम के लिए जाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। फिल्म एक ऐसी दिलचस्प दुनिया तैयार करती है, जिसके केंद्र में रश्मिका हैं।

भोजपुरी

बॉडी शेमिंग पर रानी का छलका दर्द, की सलमान की तारीफ

'बिग बॉस 20' में वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने बॉडी शेमिंग करने वाली ट्रोलिंग का मुद्दा उठाया। साथ ही पैपराजी के गलत तरीके से पीछे से फोटो और वीडियो शेयर करने का भी मुद्दा उठाया। इस पर उन्होंने गुस्सा भी निकाला। साथ ही अपनी शर्ट खोलकर कहा, 'अब करो ट्रोल।' वहीं, पैप्स के गलत तरीके से फोटो वीडियो लेने पर भी भड़ास निकाली और थप्पड़ मारने की बात कही। ऐसे में अब सलमान के इस स्टैंड का लोग सपोर्ट कर रहे हैं। इसमें सेलेब्स भी उनकी तारीफ कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने बॉडी शेमिंग और ऐज पर ट्रोलिंग को लेकर अपना दर्द बयां किया है। रानी ने सलमान की भी तारीफ की कि इंडस्ट्री से पहली बार किसी मर्द ने एक्ट्रेसेस के सपोर्ट में आवाज उठाई है। रानी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की है। रानी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 'सलमान खान एक दिल है और कितनी बार जीतोगे आप। आपने इंडिया की उन सब लड़कियों के लिए स्टैंड लिया जो रोज ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं रोज ऐज शेमिंग बॉडी शेमिंग से परेशान हैं। थैंक्यू सर सलमान खान इंडिया में एक ही जो ये कर सकता है।' वो आगे एक और पोस्ट में लिखती हैं, 'भोजपुरी एक्ट्रेस हूं अपने लिए स्टैंड खुद लेना पड़ता है ट्रोलिंग करन वाले कुछ यूट्यूबर कुछ इंस्टा चलाने वाले कल सलमान सर ने बहुत अच्छी बात कही कि इन्हें प्रेस का कार्ड कौन दिया है?' रानी आगे लिखती हैं, 'इन्होंने अपनी शक्ल देखी है क्या? खुद की मां बहन की बॉडी शेमिंग करो ऐज शेमिंग करो? बहुत खुशी हुई जब सलमान सर सभी के लिए स्टैंड लिए। मैं भोजपुरी एक्ट्रेस हूं कई सालों से बहुत सारी भोजपुरी एक्ट्रेस को कुछ स्टार्स के फैंस बॉडी शेमिंग ऐज शेमिंग और ना जाने क्या क्या बोलते हैं। पर कोई ऐसा मर्द नहीं जिसने अपनी इंडस्ट्री की महिला के लिए कोई स्टैंड लिया। किसी ने नहीं। हमारे पास सलमान नहीं हैं, इसलिए भोजपुरी एक्ट्रेस को अपने लिए स्टैंड लेना पड़ता है।'

लाइफ स्टाइल

रेड लहंगा पहन बलखाईं राशा

बॉलीवुड एक्ट्रेस राशा थडानी खूबसूरती अपनी मां रविना थंडन को टक्कर देती हैं। एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिस पर ओरी ने भी कमेट कर उनकी तारीफ की है। राशा ने रेड कलर का मनीष मल्होत्रा का डिजाइन किया हुआ लहंगा पहना है। इसके साथ स्मोकी आई मेकअप किया है और न्यूड लिपस्टिक लगाई है। राशा के इस लुक पर फैंस भी अपना दिल हार बैठे हैं। सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि राशा की खूबसूरती देख सेलेब्स के भी रिएक्शन सामने आए हैं। सबसे पहले डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हार्ट इमोजी भेजा है। वहीं, ओरी ने कमेंट में फायर इमोजी भेज एक्ट्रेस को हॉट का टैग दे दिया है।

रंग-रूप निखारने चेहरे पर लगाएं गुलाब का जेल, जानिए इसे बनाने का तरीका

गुलाब का जेल एक प्राकृतिक और असरदार स्किन केयर उत्पाद है, जो चेहरे को ताजगी और निखार देता है। यह जेल न केवल आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है, बल्कि इसे मुलायम और चमकदार भी बनाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप घर पर ही आसानी से गुलाब का जेल बना सकते हैं और इसे अपने रोजमर्रा के स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

इसे बनाने के लिए जरूरी चीजें : गुलाब का जेल बनाने के लिए आपको ताजे गुलाब की पंखुड़ियां, पानी और जेल बनाने वाला पदार्थ चाहिए। आप चाहें तो इसमें शहद या एलोवेरा जेल भी मिला सकते हैं, जो आपकी त्वचा को अतिरिक्त नमी देगा। इसके अलावा आप इसमें कुछ बूंदें विटामिन-E तेल की भी मिला सकते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इन सभी सामग्रियों को एक साथ मिलाकर आप एक बेहतरीन गुलाब का जेल तैयार कर सकते हैं।

गुलाब की पंखुड़ियों को तैयार करें : गुलाब का जेल बनाने के लिए सबसे पहले ताजे गुलाब की पंखुड़ियों को साफ करें। इसके लिए आपको गुलाब के फूलों की पंखुड़ियों को पानी से धोकर साफ करना होगा, ताकि

उनमें कोई गंदगी या कीड़ा न हो। इसके बाद पंखुड़ियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, ताकि उन्हें आसानी से पिघलाया जा सके। ध्यान रखें कि पंखुड़ियों में कोई मोटा हिस्सा न बचें, जिससे जेल बनाने में आसानी हो।

गुलाब का रस निकालें : गुलाब की पंखुड़ियों को तैयार करने के बाद अब आपको गुलाब का रस निकालना होगा। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें और उसमें कटे हुए गुलाब की पंखुड़ियां डाल दें। लगभग 10-15 मिनट तक उबालने के बाद पानी गुलाबी हो जाएगा। अब गैस बंद करके मिश्रण को ठंडा होने दें और छान लें, ताकि केवल गुलाब का रस बचें।

जेल बनाने वाला पदार्थ मिलाएं

गुलाब का रस निकालने के बाद अब इसमें जेल बनाने वाला पदार्थ मिलाना होगा, ताकि मिश्रण जेल की तरह गाढ़ा हो सके। इसके लिए आप प्राकृतिक पदार्थ का उपयोग कर सकते हैं। अगर आप प्राकृतिक सामग्री पसंद करते हैं तो प्राकृतिक पदार्थ बेहतर रहेगा, क्योंकि यह पूरी तरह से प्राकृतिक होता है और आपकी त्वचा के लिए सुरक्षित होता है। इन दोनों सामग्रियों को मिलाकर मिश्रण को अच्छी तरह फेंटें, ताकि कोई गाठें न रहे।

दो रंगों के कपड़े पहनने का शौक है तो जानिए इन्हें स्टाइल करने के आसान तरीके

फैशन की दुनिया में रंगों का बड़ा महत्व होता है, खासकर जब बात 2 विपरीत रंगों की होती है। 2 रंगों के कपड़े न केवल देखने में आकर्षक होते हैं, बल्कि इन्हें पहनकर आप भीड़ से अलग भी दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको 2 विपरीत रंगों के कपड़ों को स्टाइल करने के कुछ सरल और प्रभावी फैशन टिप्स बताएंगे, जिससे आप हर मौके पर सबसे अलग और स्टाइलिश दिखेंगी।

सही रंगों का चयन करें : 2 विपरीत रंगों का मेल चुनते समय ध्यान रखें कि वे एक-दूसरे के साथ कैसे दिखेंगे। जैसे नीला और नारंगी, हरा और लाल या पीला और बैंगनी जैसे रंगों का मेल बहुत अच्छा लगता है। इसके अलावा आप अपनी त्वचा के रंग और बालों के रंग के अनुसार भी रंगों का चयन कर सकती हैं। इससे आपका लुक और भी खास लगेगा और आप सबसे अलग दिखेंगी। कलर व्हील के हिसाब से रंगों का चुनाव करें।

कपड़ों की फिटिंग पर ध्यान दें : दो विपरीत रंगों के कपड़ों को स्टाइल करते समय उनकी फिटिंग बहुत जरूरी होती है। अगर आपका कोई कपड़ा ढीला होगा तो वह आपको बेढंगा दिखा सकता है, इसलिए हमेशा सही फिटिंग वाले कपड़े ही चुनें। इसके अलावा अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो वहां के माहौल के अनुसार कपड़ों की फिटिंग चुनें, ताकि आप आराम महसूस करें और स्टाइलिश भी दिखें। आप ढीली पैंट के साथ टाइट टॉप या विपरीत फिट भी बना सकती हैं।

गहनों का चयन सोच-समझकर करें : दो विपरीत रंगों के कपड़ों के साथ सही गहनों का चयन करना जरूरी होता है, ताकि आपका लुक पूरा हो सके। अगर आपने हल्के रंग का पहनावा चुना है तो गहरे रंग की बेल्ट या बैग अच्छे लगेंगे। वहीं, गहरे रंग वाले कपड़ों के साथ हल्के और सरल गहने पहनें, ताकि आपका लुक संतुलित रहे। इसके अलावा आप अपने कपड़ों के रंगों से मेल खाते गहनों का भी चयन कर सकती हैं।

जूतों का चयन भी है अहम : जूतों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आपके कपड़ों के रंगों से मेल खाते हों। अगर आपने हल्के रंग का पहनावा पहना है तो गहरे रंग के जूते अच्छे लगेंगे और इसके विपरीत गहरे रंग वाले कपड़ों के साथ हल्के रंग के जूते पहनें। इसके अलावा जूतों का स्टाइल भी जरूरी होती है।

केप टॉप को इन तरीकों से स्टाइल करें, हर मौके पर लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

केप टॉप एक ऐसा परिधान है, जो न केवल आरामदायक है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाता है। यह महिलाओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, खासकर त्योहारों के मौके पर, जब आप कुछ खास दिखना चाहती हैं। केप टॉप को सही तरीके से स्टाइल करने पर यह आपके पूरे लुक को निखार सकता है। आइए जानते हैं कि केप टॉप को किन-किन तरीकों से स्टाइल करके आप हर मौके पर सबसे सुंदर दिख सकती हैं।

स्कर्ट के साथ पहनें : केप टॉप को स्कर्ट के साथ पहनना एक बढ़िया तरीका हो सकता है। अगर आप शार्ट डेनिम स्कर्ट या टाइट मिनी स्कर्ट पहनेंगी तो आपका लुक सबसे ज्यादा खास लगेगा। टॉप और स्कर्ट के रंगों का मेल ट्रेंडी रखें, ताकि आपको एक आधुनिक लुक मिले। आप चाहें तो इसे मिडी या मैक्सी स्कर्ट के साथ भी पहन सकती हैं, जिससे आपको सादगी भरा और एलिगेंट लुक मिल जाएगा। पारंपरिक लुक के लिए उस स्टाइल की स्कर्ट चुनें।

जींस के साथ मेल करें

अगर आप रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो जींस के साथ केप टॉप एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इस मेल से आपको एक साधारण और स्टाइलिश लुक मिलेगा। आप चाहें तो इस लुक को पूरा करने के लिए आरामदायक जूते पहन सकती हैं। इसके अलावा हल्के गहने और एक छोटा बैग आपके लुक को और भी खास बना सकते हैं।

साड़ी के ऊपर पहनें

साड़ी के ऊपर केप टॉप पहनना एक अलग और आकर्षक तरीका हो सकता है। यह आपके पारंपरिक लुक को एक आधुनिक अंदाज देता है। खासकर जब आप शिफॉन की साड़ी पहन रही हों तो उसके ऊपर एक हल्के डिजाइन वाला केप टॉप बहुत अच्छा लगेगा। इस मेल से आपको एक शाही और मनोहर अंदाज मिलेगा।

वर्तमान मौसम में इस तरह से स्टाइल करें फ्लेनल शर्ट, लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

फ्लेनल शर्ट एक ऐसा परिधान है, जो बड़े चेक वाली और 2 से 3 रंगों वाली मोटे कपड़े की शर्ट होती है। यह शर्ट गुलाबी ठंड के मौसम के लिए बेहतरीन है, क्योंकि यह आपको ठंड से बचाने के साथ-साथ आकर्षक लुक भी देती है।

जींस के साथ फ्लेनल शर्ट का मेल : फ्लेनल शर्ट को जींस के साथ पहनना एक शानदार तरीका है। आप नीली या काली जींस के साथ अपनी पसंदीदा रंग की फ्लेनल शर्ट पहन सकती हैं। यह मेल न सिर्फ आपको आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगा। अगर आप थोड़ी अलग दिखना चाहती हैं तो प्रिंटेड या डिजाइन वाली जींस चुनें।

लेगिंग के साथ फ्लेनल शर्ट : अगर आप आरामदायक और

स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो फ्लेनल शर्ट को लेगिंग के साथ आजमाएं। काली या ग्रे लेगिंग के साथ आपकी फ्लेनल शर्ट बहुत अच्छी लगेगी। इस तरह का मेल आपको एक आधुनिक लुक देगा और आप कहीं भी जाएं, वहां आकर्षण का केंद्र बनेंगी।

स्कर्ट के साथ फ्लेनल शर्ट : फ्लेनल शर्ट को प्लेड स्कर्ट के साथ पहनकर आप एक नया और चलन में रहने वाला लुक पा सकती हैं। प्लेड स्कर्ट के साथ विपरीत रंग की फ्लेनल शर्ट चुनें, जैसे लाल और काले रंग का मेल बहुत खूबसूरत लगता है।

ड्रेस के ऊपर फ्लेनल शर्ट : अगर आपके पास पहले से ही एक साधारण ड्रेस है तो उस पर एक फ्लेनल शर्ट पहनकर उसे नया अंदाज दें। यह तरीका आपके लुक में गहराई और विविधता लाएगा, जिससे आप हर बार नई जैसी दिखेंगी। इसके साथ आप हल्का मेकअप और साधारण गहने पहन सकती हैं, ताकि आपका लुक पूरा हो सके और आप आरामदायक भी महसूस करें।

कार्नर न्यूज

आरामदायक हैं, बल्कि आपको सुंदर और आत्मविश्वासी भी बनाएंगे

त्योहारों का मौसम हर किसी के लिए खास होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस दौरान आरामदायक और स्टाइलिश कपड़े चुनना जरूरी होता है, ताकि आप पूरे दिन आराम और ताजगी महसूस करें। इस लेख में हम कुछ ऐसे कपड़ों के सुझाव देंगे, जो न केवल आरामदायक हैं, बल्कि आपको सुंदर और आत्मविश्वासी भी बनाएंगे। इन कपड़ों में आप त्योहारों का पूरा मजा ले सकेंगी।

गर्भवती महिलाएं त्योहारों पर पहनें ऐसे लिबास जो लगें स्टाइलिश और रहें आरामदायक

सूती सलवार-कमीज

सूती सलवार-कमीज गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। यह न केवल आरामदायक होता है, बल्कि गर्मी में ठंडक भी देता है। सूती कपड़े की खासियत यह है कि यह त्वचा को हवा लगने देता है और पसीना सोखता है। आप हल्के रंगों का चयन कर सकती हैं, जो त्योहारों की रौनक बढ़ाएंगे और आपको मनमोहक लुक देंगे। इसके अलावा इसमें लचीला कमरबंद होने से आपको अतिरिक्त आराम मिलेगा।

लहंगा-चोली

अगर आप पारंपरिक लुक चाहती हैं तो लहंगा-चोली एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। आजकल बाजार में गर्भवती महिलाओं के लिए भी लहंगा-चोली उपलब्ध हैं, जिनमें पेटीकोट की जगह लचीला कमरबंद होता है। यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि पहनने में भी आरामदायक होता है। आप हल्के कढ़ाई वाले लहंगे का चयन कर सकती हैं, जो आपको शाही अंदाज देगा और पूरे दिन आराम भी महसूस होगा।

प्लाजो वाले सूट

प्लाजो वाले सूट आजकल बहुत चलन में हैं और ये गर्भवती महिलाओं के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। यह पोशाक न केवल स्टाइलिश दिखती है, बल्कि बहुत ही आरामदायक भी होती है। प्लाजो वाले सूट में लचीला कमरबंद होता है, जिससे आपको अतिरिक्त आराम मिलता है। आप प्लाजो को किसी भी साधारण या कढ़ाई वाले कुर्ते के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक खास लगेगा।

साड़ी

अगर आप साड़ी पहनना पसंद करती हैं तो हल्की बनारसी या जरी की कारीगरी वाली साड़ी चुन सकती हैं। इन साड़ियों की विशेषता होती है कि ये न केवल सुंदर दिखती हैं, बल्कि हल्की भी होती हैं, जिससे आपको पूरे दिन आराम महसूस होगा। इसके अलावा आप इसे किसी साधारण ब्लाउज के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

अनारकली सूट

अनारकली सूट गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत ही शानदार और आरामदायक होता है। यह पोशाक आपके शरीर के आकार को छिपाने में मदद करती है और आपको सुंदर दिखाती है। अनारकली सूट में आमतौर पर ढीली फिटिंग होती है, जिससे आपको पूरे दिन आराम महसूस होता है। आप हल्के रंगों और सरल डिजाइनों का चयन कर सकती हैं, जो त्योहारों की रौनक बढ़ाएंगे और आपको मनमोहक लुक देंगे।